सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

# श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 324 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 07 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

### अवैध होर्डिंग से पटा शहर - पार्ट : 2

# अवैध होर्डिंग से पटी जोन-2 की हर एक सड़क

- हर खंबे पर लटक रही नेताओं की मुस्कुराती तस्वीरें
- निगम को करोड़ों रुपए राजस्व हानि, फिर भी चुप्पी संदिग्ध
- स्कूल, कॉलेज, कोचिंग, अस्पताल, क्लिनिक का भी प्रचार
- नेशनल हाइवे के खंबों पर भी अवैध बैनर पोस्टर की भरमार

3 सितंबर को प्रकाशित खबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** नगर निगम भिलाई में अवैध बैनर पोस्टर और होर्डिंग के कारण करोड़ों के राजस्व का खेल हो रहा है। इसमें सीधे तौर पर निगम के अफसरों की भूमिका संदिग्ध दिख रही है। श्रीकंचनपथ ने जोन क्रमांक 1 में अवैध बैनर पोस्टर की खबर 3 सितंबर के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित की थी। अब इसी कड़ी में जोन क्रमांक 2 की सड़कों की हालत से भी पाठकों को रूबरू कराते हैं। जोन क्रमांक एक से कहीं ज्यादा जोन 2 की सड़कों का बुरा हाल है। सड़कों पर लगे ट्यूबलर पोल सहित स्ट्रील लाइट के खंबों पर स्कूल, कालेज, कोचिंग क्लास, अस्पताल, क्लिनिक सहित नेताओं के बधाई संदेश वाले बैनर पोस्टर अवैध रूप से लगे हैं।

भिलाई निगम के जोन क्रमांक 2 का कार्यालय वैशाली नगर मध्य में है और यह पूरी तरह रिहायशी क्षेत्र है। यहां पर आसपास जितने भी स्ट्रीट लाइट के खंबे हैं सभी पर अवैध बैनर पोस्टर टंगे हुए हैं। निगम के जोन कार्यालय के पास बेखौफ होकर अवैध रूप से बैनर पोस्टर लगाए जा रहे हैं और अफसरों की आंखें बंद हैं। हालात ऐसे हैं यहां से गुजरने वालों लोगों को इन बैनर पोस्टर से खतरा बना हुआ है। बिजली के खंबों पर लगे ये पोस्टर बैनर लटकते-गिरते रहते हैं जिसके कारण यातायात की सुरक्षा भी खतरे में आ जाती है।

### इन रास्तों पर गुजरें तो रहे सावधान

जोन-2 के अंतर्गत वैशाली नगर विधानसभा का एक बड़ा क्षेत्र कवर होता है। वैशाली नगर का गौरव पथ जो छावनी चौक तक बना हुआ है उसके सभी खंबो पर अवैध बैनर पोस्टर दिख जाएंगे। इसके साथ चंद्रा मौर्या चौक से परदेशी चौक, गौरव पथ ओम शांति चौक से भगवा चौक और 18 नंबर रोड के हर एक खंबे पर अवैध होर्डिंग बैनर पोस्टर की भरमार है। यही नहीं अवैध बैनर पोस्टर जोन 2 के तहत आने वाले नेशनल हाइवे पर भी टांग दिए गए हैं। इसका उदहारण चंद्रा मौर्या चौक व भिलाई पावर हाउस में बने फ्लाई ओवर में दिख जाएगा। इन रास्तों से गुजरे तो जरा सावधान रहे क्योंकि कभी भी कोई बैनर या पोस्टर फ्रेम के साथ आप पर गिर सकता है।

### रजिस्टर्ड वेंडर्स को हो रहा नुकसान

निगम के अफसरों की अनदेखी के कारण रजिस्टर्ड वेंडर्स को प्रति माह लाखों का नुकसान हो रहा है। बिना अनुमति अवैध बैनर पोस्टर टांगने वाले अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं जबकि नगर निगम के खाते में धेला भी नहीं आ रहा है। जो वेंडर रजिस्टर्ड हैं वे निगम को सालाना लाखों रुपए किराए के रूप में दे रहे हैं। अवैध होर्डिंग का उन विज्ञापन कारोबारियों पर असर पड़ रहा है जो निगम को लाखों रुपए दे रहे हैं। पंजीकृत विज्ञापन कारोबारियों का कहना है कि जब अवैध विज्ञापनों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होगी तो नियमों के मुताबिक शुल्क देने वाले क्या करें।

### निगम की कार्रवाई पर सवाल

नगर निगम दावा करता है कि वे अवैध बैनर पोस्टर हटाते हैं, लेकिन इनकी कार्रवाई पर सवाल उठता है। दरअसल बैनर पोस्टर हटाते तो हैं लेकिन तुरंत दूसरे टंग जाते हैं। जबकि निगम को ऐसे लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए जो यह अवैध करोबार कर रहे हैं। हैरानी तो तब होती है जब इनके कार्यालय के सामने ही सैकड़ों की संख्या में अवैध बैनर पोस्टर लगे हुए हैं। अफसरों को या तो यह बताना चाहिए कि शहर में कितने वैध बैनर पोस्टर हैं या फिर उन्हें इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि भविष्य में स्थितियां बेहतर हों।

## 36 हजार फीट पर कम हुआ प्लेन का तेल : एक इंजन पर कोच्चि एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

**कोच्ची ए.।** एयर इंडिया एक्सप्रेस की अबू धाबी जा रही फ्लाइट को उड़ान के बीच तकनीकी खराबी के कारण कोच्चि लौटना पड़ा। विमान करीब 36 हजार फीट की ऊंचाई पर था, तभी इंजन-1 में फ्यूल की मात्रा तेजी से कम होने लगी। कुछ देर बाद तेल का दबाव खतरे की सीमा यानी रेड जोन में पहुंच गया। इसके बाद पायलटों ने इंजन-1 बंद कर दिया।

यह घटना 7 सितंबर की है। एअर इंडिया एक्सप्रेस और DGCA की ओर से घटना पर अब तक आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। सूत्रों के मुताबिक, पायलटों की को विमान के उड़ान भरने के करीब 50 मिनट बाद इंजन-1 में ऑयल की मात्रा तेजी से घटती नजर आई। इसके बाद क्रू ने FORDEC असेसमेंट किया। इसके बाद उड़ान रद्द कर कोच्चि लौटने का फैसला लिया गया। कमांडर ने हाई फ्रिक्वेंसी पर मुंबई रेडियो से संपर्क किया। ATC को विमान के कोच्चि लौटने की जानकारी दी। एक इंजन पर ओवरवेट बोइंग 737 को उतारना ज्यादा जोखिम वाला ऑपरेशन होता है। इसके बाद भी कोच्चि एयरपोर्ट लैंडिंग सुरक्षित तरीके से पूरी की।

## शिवनाथ में डूबे युवक की मौत, दो दिन बाद मिला

- पिकनिक के दौरान हुआ था हादसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** पिकनिक मनाने के दौरान शिवनाथ नदी (गनियारी) में बहे युवक का शव स्थ्रक्रन्न टीम ने 2 दिनों के सघन रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बरामद किया। 5 सितंबर की शाम को पिकनिक के बाद बर्तन धोते समय युवक फिसलकर गहराई में समा गया था। शव बरामद होने के बाद एसडीआरएफने आगे की कार्रवाई के लिए शव को पुलिस को सौंप दिया।

बता दें पांच सितंबर को गनियारी स्थित शिवनाथ नदी तट पर खुर्सीपार निवासी सहदेव महोबिया अपने दो दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया था। पिकनिक मनाने के बाद शाम को वह उसके एक दोस्त के साथ नदी किनारे बर्तन धो रहा था। इस दौरान सहदेव फिसलकर नदी के तेज बहाव में बह गया। घटना की सूचना प्राप्त होते ही एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम ने मोटर बोट और आधुनिक बचाव उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचकर तत्काल सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया।

पांच सितंबर की शाम को रेस्क्यू शुरू करने के बाद अंधेरा होने के कारण तलाश रोक दी गई। इसके बाद 6 सितंबर रविवार को दिन भर तलाश की जाती रही लेकिन कुछ पता नहीं चला। सोमवार को सुबह तलाश के बाद एसडीआरएफकी टीम को सफलता मिली। टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक के शव को नदी से बाहर निकालकर स्थानीय पुलिस के सुपुर्द किया। प्रशासन एवं विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे बरसात के मौसम में नदियों के समीप न जाएं।

## दिल्ली पीजी हादसे में दुर्ग के छात्र की मौत, बीकॉम कर था युवराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** दिल्ली के सत्य निकेतन इमारत हादसे में दुर्ग निवासी 20 वर्षीय छात्र युवराज सोनी की मौत हो गई। युवराज दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत मोतीलाल नेहरू कॉलेज में बीकॉम द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा था और सत्य निकेतन स्थित एक पीजी में रहकर पढ़ाई कर रहा था। मृतक युवराज सोनी दुर्ग के पंचशील नगर का निवासी था। पढ़ाई के सिलसिले में वह दिल्ली में रह रहा था। सत्य निकेतन में हुए इमारत हादसे की जानकारी सामने आने के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया। युवराज की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। इधर दिल्ली पीजी हादसे में अब तक 7 छात्रों की मौत हो गई है।

सोमवार को मलबे से एक और शव मिला है। इसके साथ ही 7 लोगों की मौत हो चुकी है और 12 लोगों को बचाया गया है। 5 लोग गंभीर घायल हैं, जिन्हें एम्स में भर्ती कराया गया है। अभी भी कई लोगों के दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू डॉग और कैमरे के सहायता से लोगों की तलाश की जा रही है। हॉस्टल का मालिक हरिराम बंसल फरार है। दिल्ली पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। उसे पकड़ने के लिए 10 टीमें बनाई हैं। साउथ कैंपस थाने में हरिराम के खिलाफ गैर इरादतन हत्या, इमारत की देखरेख में लापरवाही और लोगों की सुरक्षा खतरे में डालने के आरोप में केस दर्ज किया था।

हादसा दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास सत्य निकेतन में रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे हुआ। गिरी हुई इमारत करीब 40 साल पुरानी थी। दिल्ली नगर निगम के रिकॉर्ड में इस इमारत को खतरनाक घोषित नहीं किया गया था। स्थानीय लोगों के मुताबिक इमारत के बेसमेंट में पिछले 7 दिनों से तोड़फोड़ का काम चल रहा था। बेसमेंट पहले से कमजोर था और उसमें पानी भी भरा हुआ था।

## बीजापुर में सीआरपीएफ को मिली बड़ी सफलताः जंगल से 14 नक्सली डंप बरामद

- 99 तरह की घातक सामग्री जब्त, संदिग्ध गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बीजापुर।** जिले में चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत सीआरपीएफकी 199वीं वाहिनी को बड़ी सफलता मिली है। विश्वसनीय सूचना के आधार पर जवानों ने पीडिया एवं कुप्पागुड़ा क्षेत्र के एड्री, हर्रा, नयापारा और सरपंचपारा के घने जंगलों में सघन तलाशी अभियान चलाया। कमांडेंट आनंद कुमार के मार्गदर्शन और उप कमांडेंट दर्शन यादव की देखरेख में बी/199 एवं एफ/199 कंपनी और यंग प्लाटून के जवानों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई को अंजाम दिया।

सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों द्वारा जंगल में छिपाकर रखे गए 14 नक्सली डंप बरामद किए गए। बरामद सामग्री में एक .303 बोल्ट एक्शन राइफल, पांच भरमार राइफल और एक देसी 12 बोर राइफल शामिल हैं।इसके अलावा 10 आईईडी, 8 डेटोनेटर, कोडेक्स वायर, वायरलेस सेट, प्लास्टिक एवं स्टील कंटेनर समेत आईईडी निर्माण में उपयोग होने वाली विभिन्न इलेक्ट्रिक सामग्री और नक्सली कपड़े बरामद किए गए हैं। कुल 99 प्रकार की घातक सामग्री जब्त की गई है।

### पेगड़ापल्ली के जंगल में भी मिला था नक्सली डंप

इसके पहले पुलिस ने बीजापुर जिले के पेगड़ापल्ली के जंगल में नक्सली डंप बरामद किया था। 29 अगस्त को ग्राम पेगड़ापल्ली के जंगल क्षेत्र में चलाए गए अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्ति बोगम लखमू (39) को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के चिन्नागेलूर डीएकेएमएस सदस्य के रूप में कार्य करने तथा नक्सलियों की सामग्री एवं विस्फोटक छिपाने के लिए ले जाने की बात स्वीकार की। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 50 हजार 50 रुपए नकद, एक बीजीएल लॉन्चर, 18 बीजीएल सेल, 12 तीर बम, एक हैंड ग्रेनेड, .303 के 15 जिंदा राउंड, 31 बीजीएल कारतूस, एक इंसास खाली मैगजीन, बिजली वायर, तीन राउंड चार्जर एवं एक ईमीटर लीड बरामद किया गया।

### घेराबंदी कर चरणबद्ध तरीके से चलाया सर्च ऑपरेशन

सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर बेहद सतर्कता के साथ चरणबद्ध तरीके से तलाशी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। सीआरपीएफअधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में लगातार चल रहे अभियान से नक्सली गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगा है और ग्रामीणों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।

## 12 साल बाद फिर नीले हुए पहाड़, केरल के मुन्नार में खिला नीलकुरिंजी फूल

**नई दिल्ली ए.।** केरल के मुन्नार में 12 साल बाद एक बार फिर से दुर्लभ प्राकृतिक घटना देखने को मिल रही है। मुन्नार में मट्टुपेट्टी के नजदीक कोरंडाकाडु पहाड़ियों पर नीलें रंग के दुर्लभ नीलकुरिंजी फूल फिर से खिल आए हैं। भारत के पूर्वी और पश्चिमी घाट में 12 साल बाद खिलने वाले यह फूल बाकी दुनिया के लिए बेहद अनोखे हैं और स्थानीय जैव-विविधता, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण के नजरिए से भी खास मायने रखते हैं। इस इलाके में पाई जाने वाली पालियां जनजाति और नीलगिरी पर्वत श्रृंखला के अस्तित्व के लिए इसका विशेष ही महत्व है।

नीलकुरिंजी फूल का खिलना विश्व में एक दुर्लभ प्राकृतिक घटना है, जो प्रत्येक 12 वर्षों में खिलते हैं और इसकी वजह से दक्षिण-पश्चिमी भारत के ऊंचे पहाड़ी क्षेत्र नीले रंग के दिखाई देने लगते हैं। नीलकुरिंजी फूल का वैज्ञानिक नाम स्ट्रोबिलैंथिस कुंथियाना भारत के पूर्वी और पश्चिमी घाटों के शोला घास के मैदानों तक सीमित होने की वजह से इसकी दुनिया में विशेष पहचान है और खास जीवन चक्र की वजह से इसके संरक्षण को लेकर वैश्विक चिंताएं भी बढ़ी हैं। 12 साल बाद खिलने के बाद पूरा पहाड़ नीला-नीला नजर आता है और नीलगिरी पर्वत श्रृंखला का नाम ही इसी की वजह से पड़ा है।

## संपादकीय

# इसरो की कामयाबी

### अंतरिक्ष से खेत-खलिहान, सीमा की निगहबानी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अपनी पहले जियोसिंक्रोनस इमेजिंग सैटेलाइट का सफलता पूर्वक प्रक्षेपण कर उसे पृथ्वी की कक्षा में स्थापित कर दिया है। इसे इसरो की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है कि क्योंकि यह इमेजिंग उपग्रह देश के किसी भी क्षेत्र के रियल-टाइम चित्र दे सकेगा। जो समुद्री सुरक्षा, सीमाओं की निगरानी, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी मूल्यवान जानकारी तो देगा ही, साथ ही पर्यावरण की निगरानी भी करेगा। इसके अलावा फसलों की स्थिति, मिट्टी की नमी व वनस्पति की सेहत की जानकारी देकर खेत-खलिहानों के लिये भी बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। साथ ही उपग्रह आपदा प्रबंधन के लिये जरूरी जानकारियां उपलब्ध करायेगा। मसलन, बाढ़ प्रभावित इलाकों की स्थिति में पानी की स्थिति की सटीक जानकारी से आपदा राहत कार्य बेहतर ढंग से चलाने में मदद मिल सकेगी। निस्संदेह, इसके प्रक्षेपण से देश की धरती की निगरानी क्षमता में आशातीत वृद्धि होगी। साथ ही धरती पर होने वाले असामान्य बदलावों पर समय रहते नजर रखी जा सकेगी। इसरो द्वारा जीएसएलवी-एफ 17 राकेट के जरिये किया गया यह सफल प्रक्षेपण वैज्ञानिकों को उत्साहित कर गया क्योंकि यह जियोसिंक्रोनस कक्षा से इमेजिंग करने वाला देश का पहला सैटेलाइट है। दरअसल, इस कक्षा में काम करने वाले उपग्रह का सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि यह लक्षित बड़े क्षेत्र पर लगातार निगरानी करते हुए मौजूदा समय के फोटोग्राफ लगातार दे सकता है। जिससे मौसम, पर्यावरण, आपदा प्रबंधन व भूमि की सतह में होने वाली बदलावों के निहितार्थों को समझना आसान हो सकेगा।

> “ मसलन, बाढ़ प्रभावित इलाकों की स्थिति में पानी की स्थिति की सटीक जानकारी से आपदा राहत कार्य बेहतर ढंग से चलाने में मदद मिल सकेगी। निस्संदेह, इसके प्रक्षेपण से देश की धरती की निगरानी क्षमता में आशातीत वृद्धि होगी। साथ ही धरती पर होने वाले असामान्य बदलावों पर समय रहते नजर रखी जा सकेगी। इसरो द्वारा जीएसएलवी-एफ17 राकेट के जरिये किया गया यह सफल प्रक्षेपण वैज्ञानिकों को उत्साहित कर गया क्योंकि यह जियोसिंक्रोनस कक्षा से इमेजिंग करने वाला देश का पहला सैटेलाइट है।

दरअसल, इस उपग्रह का लाभ अंतरिक्ष अनुसंधान व सामरिक लक्ष्यों तक ही सीमित नहीं रहेगा, यह खेती व किसानों के लिये भी उतना ही महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे मिलने वाले डेटा का प्रयोग हमारे भू-भाग पर उपलब्ध संसाधनों की निगरानी व उसकी प्रकृति में आ रहे बदलावों को समझने में भी मददगार होगा। दावा है कि उपग्रह से मिलने वाले चित्रों के विश्लेषण से फसलों की गुणवत्ता, प्राकृतिक प्रभावों के अलावा मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी जुटाने में सहायता मिल सकेगी। आंकड़ों के वैज्ञानिक विश्लेषण व इस कार्य में लगी सरकारी एजेंसियों की मदद से खेती से जुड़ी नीतियों के निर्धारण, प्रभावी योजनाओं को बनाने और क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। महत्वपूर्ण बात यह भी कि देश के विभिन्न भागों में आने वाले चक्रवात, बाढ़, जंगलों में लगने वाली आग तथा कुदरती रौद्र के दौरान जहां रियल टाइम जानकारी मिल सकेगी, वहीं बचाव व राहत के नीति निर्धारण में भी समय रहते मददगार होगी। दरअसल, धरती की निगहबानी करने वाले उपग्रह प्रभावित क्षेत्रों के चित्र व आंकड़े तुरंत उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं, जो राहत-बचाव कार्यों में जुटी एजेंसियों के लिये मार्गदर्शक होते हैं। निस्संदेह, आज देश का स्पेस सेक्टर नई ऊंचाइयों की ओर उन्मुख है। देश में 450 से अधिक स्पेस स्टार्टअप्स की मौजूदगी इस बात का प्रमाण है। देश की निजी कंपनियां भी ऑर्बिट तक रॉकेट पहुंचाने लगी हैं। कह सकते हैं कि देश आत्मनिर्भर व आर्थिक रूप से लाभप्रद स्पेस इकोसिस्टम बनाने की ओर बढ़ चुका है।

# शिक्षा बचाने के लिए शिक्षक की बड़ी भूमिका

अविजीत पाठक

मौजूदा शिक्षा व्यवस्था की स्थिति व शैक्षणिक संस्थानों के लगातार ह्रास का असर छात्रों पर पड़ रहा है। इस दौर में युवा पीढ़ी जिस तनाव से गुजर रही है, वह चिंताजनक है। छात्रों में बढ़ते तनाव, आत्महत्याएं, सरकारी स्कूलों की बदहाली, कोचिंग का फैलता जाल, अकादमिक आज़ादी पर संकट और शिक्षा का बाज़ारीकरण गंभीर जाखिम हैं। सकारात्मक यह कि छात्र आवाज बुलंद कर रहे हैं। बेहतर होगा शिक्षक भी आगे आएं।

यह कहने में मुझे (लेखक को) कोई संकोच नहीं कि जब छात्र शिक्षक दिवस पर शुभकामनाएं भेजते हैं, तो साथ मिलकर किए गए काम और क्रमिक विकास के उन खूबसूरत दिनों को याद करके खुशी महसूस होती है। बहुत आभार के साथ उन महान शिक्षाविदों को भी याद करता हूं जिनके प्रभाव ने पढ़ाने के मेरे तौर-तरीके को स्वरूप दिया। निस्संदेह, डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्मरण होता है- उनकी विद्वत्ता और दार्शनिक सोच का। सावित्रीबाई फुले भी जेहन में आते हैं-हमारे पुरुष प्रधान और जाति-व्यवस्था वाले समाज में दबे-कुचले व हाशिए पर पड़े लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए उनकी हिम्मत और समर्पण के लिए।

लेखक के मुताबिक, ‘अपने ढंग से मैं पाउलो फ्रेरे और बेल हुक्स जैसे लोगों के विचारों से जुड़ा- मुक्त विचारयुक्त शिक्षा की भावना, जिसने हमें प्रेरित किया; या मुझे रवींद्रनाथ टैगोर की काव्यात्मक रचना ‘ए पोएट्स स्कूल’, जिद्दू कृष्णमूर्ति की किताब ‘स्कूल विदाउट फियर’ और गिजूभाई बधेका के अद्भुत शिक्षण प्रयोग-जिसका ज़िक्र उनकी किताब ‘दिवास्वप्न’ में है-इनसे पुन: प्रेरित होना मुझे पसंद है। खुशी है कि किसी सत्ता के लालच ने नहीं, बल्कि सीखने, भूलने व अध्यापन के आनंद ने मेरी नियति को आकार दिया।’

तथापि, लेखक स्वीकार करते हैं कि मौजूदा कठिन दौर में, उन्हें कुछ बेचैनी महसूस होने लगी है। उनके मुताबिक, ‘क्या मैं सच में उस स्थिति में खुश हो सकता हूं और शिक्षक दिवस मना सकता हूं, जब हमारे शैक्षणिक संस्थानों की हालत बद से बदतर होते पाऊं और अपने छात्रों का दुख महसूस करूं? क्या अब इस दिन को मनाने की कोई वजह बची है?’

असंतुष्ट छात्रों की इस पीढ़ी के संत्रास के बारे में सोचिए। हां, उनमें अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता है; और तनाव एवं बेचैनी से त्रस्त हैं। चाहे कोई अत्यंत कुलीन विद्यालय का छात्र हो या किसी छोटे शहर का वह युवा जो मानक बना दिए गए ‘नीट’ जैसी अहम कठिन परीक्षा की तैयारी कर रहा हो, इस पीढ़ी का तनाव वाकई चिंता की बात है।

जब यह लेख लिखा जा रहा है तो आईआईटी-दिल्ली में एमएससी के एक छात्र की खुदकुशी की खबर आई और इस दुखद घटना पर प्रशासन के लापरवाही और अफसरशाही भरे रवैये के कारण वहां तनाव का माहौल है। इसी तरह, यह सोचकर कर दिल टूट जाता है कि नीट परीक्षा लीक विवाद के कारण इम्तिहान रद्द किए जाने और दोबारा तारीख तय होने के बाद कई छात्रों ने खुदकुशी कर ली थी।

जब राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्स ब्यूरो के आंकड़ों पर नज़र डालते हैं -2024 में छात्रों की आत्महत्या के 14,488 मामले- तो अहसास होता है कि काफी असमानता और असंतुलन वाले इस समाज में ऊपर उठने की होड़ ने हमारे छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को कितना नुकसान पहुंचाया है।

इसी प्रकार, हमारे स्कूलों और विश्वविद्यालयों की दयनीय हालत के बारे में सोचिए। जहां गुमनाम गांवों और छोटे कस्बों में भी शानदार नामों वाले इंग्लिश-माध्यम/प्राइवेट स्कूल दिख जाते हैं, वहीं सरकारी स्कूलों की हालत बहुत खराब है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक दशक में 94,000 सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। इतना ही नहीं, देखिए कि किस प्रकार व्यवस्था ने अध्यापन के पेशे की अहमियत को घटाया है और उसे मामूली समझता है। वरना, इस बात को कैसे समझा सकते हैं कि सरकारी स्कूल के शिक्षकों को अक्सर पढ़ाना छोड़कर चुनाव का काम, जनगणना और वोटर लिस्ट में सुधार जैसे गैर-शैक्षणिक/प्रशासनिक काम करने में लगा दिया जाता है? इसके अलावा, यहां एक ऐसा तंत्र है जो अध्यापन से प्यार करने वालों का हौसला तोड़ता है। एक शिक्षक कैसे पढ़ा सकता है अगर युवा छात्र क्लास में आने से कतराएं और कोचिंग संस्थान चलाने वालों से पढ़ना पसंद करें? जी हां, हम सभी को ‘डमी स्कूलों’ का सामान्यीकरण किए जाने और भारत के 58,000 करोड़ रुपये के कोचिंग उद्योग के बीच गहरे संबंध पर सोचना चाहिए।

जब ‘सफलता के नुस्खे’ बेचने वाले व्यापारी यह तय करने लग जाएं कि भौतिकी, गणित, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान की पढ़ाई कैसे की जानी चाहिए, तो क्या उन लोगों के लिए कोई जगह बचती है जो गहरे उतरकर और अर्थपूर्ण तरीके से पढ़ाना चाहते हैं-सिर्फ़ ‘नीट’ और ‘जेईई’ के लिए नहीं, बल्कि युवा दिमागों को संवारने, उनकी आलोचनात्मक सोच को धार देने और वास्तविक लोकतांत्रिक एवं वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए?

सच कहा जाए तो, जब कोचिंग माफिया को शिक्षा के क्षेत्र पर काबिज होते देखते हैं, तो शिक्षक दिवस मनाने का कोई अर्थ नहीं दिखता। साथ ही, जब हमारे विश्वविद्यालयों में अकादमिक आज़ादी न रहे और डर एवं निगरानी का माहौल विचारों, बहसों व मतभेदों के प्रवाह में बाधा डालता हो, तो शिक्षक दिवस महत्व खो चुका प्रतीत होता है।

निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता कि बतौर शिक्षक हम शिक्षा जगत के सामने खड़े खतरे को समझ भी रहे हैं या नहीं। अगर नव-उदारवाद के प्रवाह में छिपी ‘उपयोगितावादी सोच’ शिक्षा को केवल नौकरी पाने का प्रशिक्षण या वह तकनीकी स्किल पाने वाली पढ़ाई बनाती हो,जिसकी ज़रूरत टेक्नो-कॉर्पोरेट इंडस्ट्री को अपनी ‘उत्पादकता’ बढ़ाने के लिए है, तो हम उदारवादी/मानवतामूलक शिक्षा की मूल भावना को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं।

इस प्रकार की उपयोगितावादी सीख लोकतंत्र की मूल भावना को कमज़ोर करती है। हम आलोचनात्मक सोच, लैंगिक अध्ययन व हाशिए पर मौजूद लोगों के इतिहास के बारे में कैसे पढ़ा पाएंगे, जब हमें बताया जाए कि हर चीज़ की कीमत उसके मौद्रिक मूल्य से मापी जानी चाहिए? इसी तरह, जब इस विषाक्त समय में अति-राष्ट्रवाद का एजेंडा आम बात हो गया है, तो आलोचनात्मक शिक्षा-पद्धति की भावना का अंत तय है। ऐसे हालात में, क्या किसी अध्यापक के लिए यह सवाल उठाना मुमकिन होगा कि अति-राष्ट्रवाद के चलन ने किन चीज़ों को सामान्य बना दिया -मसलन, सैन्यवाद, सामाजिक रूढ़िवाद, बहुसंख्यकवाद व अल्पसंख्यकों को ‘दोयम’ या ‘अलग’ समझना? इस संकट के बीच भी, यह देखकर अच्छा लगता है कि हमारे छात्र अपनी आवाज़ उठा रहे हैं, तमाम किस्म के जोखिम उठा रहे हैं और शिक्षा पर हो रहे निरंतर हमलों का विरोध कर रहे हैं। बतौर शिक्षक, अगर हम आगे नहीं आते, अपनी आवाज़ नहीं उठाते और शिक्षा को बचाने के लिए कोई आंदोलन शुरू नहीं करते, तो क्या शिक्षक दिवस के मौके पर अच्छा महसूस करने और खुद को बधाई देने का कोई कारण है?

**लेखक समाजशास्त्री हैं।**

# वर्तमान को जीना भी है एक कला

सिताराम गुप्ता

भविष्य में मार्ग में आगे आने वाले और ज़्यादा ख़ूबसूरत फूलों की संभावना के कारण वर्तमान ख़ूबसूरत फूलों की उपेक्षा करना किसी भी तरह से उचित नहीं। वर्तमान निश्चित है, जबकि भविष्य अनिश्चित। कल भी ये ख़ूबसूरत फूल हमारी आंखों के सामने खिले हुए होंगे, इस बात की कोई गारंटी नहीं दे सकता।

कुछ लोग अपने जीवन में इस बात को लेकर बड़े निराश होते रहते हैं कि वे बहुत-सी चीज़ों, बातों अथवा जानकारी से वंचित रह गए। उनका मानना होता है कि वे अपने जीवन को और अधिक अच्छा बना सकते थे। अधिक पुस्तकें पढ़ सकते थे अथवा सत्संग आदि में अधिक समय व्यतीत कर सकते थे। अधिक योग्य, ज्ञानवान अथवा धार्मिक हो सकते थे। अधिक लोगों से मेलजोल बढ़ाकर अपना सामाजिक दायरा अधिक विस्तृत कर सकते थे। तात्पर्य यही है कि समय का और अधिक अच्छा उपयोग कर सकते थे। यदि हम जीवन में बहुत-सी चीज़ों, बातों अथवा जानकारी से वंचित भी रह गए तो भी हमें मायूस होने की ज़रूरत नहीं, क्योंकि वास्तविकता यही है कि हमारी सीमाएं अवश्य होती हैं।

वास्तव में जो नहीं किया या नहीं हो सका, उस पर ध्यान देने के बजाय हमें अपना सारा ध्यान इस बात पर केंद्रित करना चाहिए कि हमें आगे क्या करना है और कैसे करना है? आज तक हमने जो भी किया है, अपनी क्षमता और योग्यता के अनुसार अच्छा ही किया है, इस बात को मन में रखें और आज तक जो भी प्राप्त किया है, उसका पूरा-पूरा उपयोग अपने और समाज के हित में करें। यदि हम अपने अल्प ज्ञान अथवा कुशलताओं के बल पर एक बेहतर संतुलित जीवन व्यतीत कर रहे हैं और हमारे कारण समाज का अहित नहीं, कुछ न कुछ हित ही हो रहा है तो ये भी बहुत बड़ी बात है। समाज के समग्र विकास के लिए हर तरह के ज्ञान व कुशलताओं की ही नहीं, हर तरह की

चीज़ों व हर तरह के लोगों की भी आवश्यकता होती है। बड़ी-बड़ी मशीनें जितनी महत्वपूर्ण होती हैं, उतनी ही महत्वपूर्ण होती हैं सामान्य उपयोग की छोटी-मोटी वस्तुएं भी। यदि फिर भी हमें लगता है कि हम सचमुच बहुत अच्छा नहीं कर पाए हैं तो ये पता चलना भी हमारे पूर्व में संचित ज्ञान और अनुभवों का ही परिणाम है, जो अपने आप में एक उपलब्धि ही है। यह हमें हमारे जीवन के शेषांश के लिए सही स्थितियों का चुनाव करने में सहायक होगा।

वैसे भी ज्ञान-विज्ञान अथवा सीखने की कोई सीमा नहीं। ज्ञान-विज्ञान के मुकाबले में मनुष्य के सीखने का काल अथवा उसकी जीवनावधि अत्यंत अल्प है। अपने पूरे एक जीवन में इस ब्रह्मांड के अथाह समुद्र रूपी ज्ञान की एक बूंद मात्र भी हम पूरी तरह से नहीं सीख सकते। संपूर्ण ज्ञान की बात करना ही निरर्थक होगा। यहां आकर हम द्वंद्व में फंस जाते हैं कि हम क्या सीखें और क्या न सीखें? क्या हम यूं ही जीवन को गुज़ार दें? नहीं। जीवन को हमें एक अच्छे तरीके से जीने का भरसक प्रयास करना चाहिए। जीवन को चलाने के लिए कुछ व्यावहारिक व कुछ विशिष्ट ज्ञान की आवश्यकता पड़ती है। जीवन में कहीं विशेष सिद्धांतों का पालन करना अनिवार्य होता है तो कहीं व्यावहारिक पक्ष को देखना।

एक प्रतिष्ठित विद्वान प्रोफेसर व एक अनपढ़ नाविक की कथा तो आपने सुनी ही होगी। एक बार एक प्रोफेसर समुद्री जहाज़ से यात्रा कर रहे थे। वहां उनकी दोस्ती एक नाविक से हो गई। एक दिन विद्वान प्रोफेसर ने नाविक से पूछा, ‘क्या तुमने दर्शन शास्त्र पढ़ा है?’ नाविक ने नकारात्मक मुद्रा में सिर हिलाते हुए कहा, ‘नहीं।’ इस पर प्रोफेसर ने नाविक से कहा कि दर्शन शास्त्र न पढ़कर उसने अपनी ज़िंदगी का चौथाई भाग व्यर्थ कर डाला है। अगले दिन विद्वान प्रोफेसर ने नाविक से फिर पूछा, ‘क्या तुमने साहित्य का अध्ययन किया है?’ इस बार फिर नाविक ने नकारात्मक मुद्रा में सिर हिलाते हुए कहा, ‘नहीं, मुझे तो पता ही नहीं साहित्य क्या होता है।’ इस पर प्रोफेसर ने नाविक से कहा, ‘यदि तुमने साहित्य का अध्ययन नहीं किया है तो तुमने अपनी ज़िंदगी का आधा भाग व्यर्थ कर डाला है।’

प्रोफेसर और नाविक के मध्य वार्तालाप चल ही रहा था कि तभी समुद्र में तूफान आ गया और ऊंची-ऊंची लहरें उठने लगीं। जहाज़ बुरी तरह से हिलने लगा। तूफान के शोर में एक-दूसरे की आवाज़ तक नहीं सुनाई पड़ रही थी। तभी नाविक ने चिल्लाकर प्रोफेसर से पूछा, ‘प्रोफेसर साहब, क्या आपको तैरना आता है?’ प्रोफेसर ने कहा कि उसे तैरना नहीं आता। इस पर नाविक ने कहा, ‘प्रोफेसर साहब, आपने तो अपनी पूरी ज़िंदगी ही व्यर्थ कर डाली है। अभी जहाज़ डूबने वाला है और जिसे तैरना आता है, उसी के बच निकलने की संभावना है।’ यह कहकर नाविक अपनी जान बचाने के लिए समुद्र में कूद गया। संदेश स्पष्ट है। जीवन में जितना महत्व विशिष्ट ज्ञान का है, उससे अधिक महत्व सामान्य व्यावहारिक ज्ञान व कुशलताओं का भी है। हम जीवन में सहजता-सरलता की उपेक्षा कर ही नहीं सकते।

डिज़रायली का एक कथन है कि हमें दुनिया की सारी चीज़ों के बारे में कुछ-कुछ और कुछ एक के बारे में सब कुछ सीखने की कोशिश करनी चाहिए। हम दुनिया की तमाम चीज़ों के बारे में सब कुछ नहीं सीख सकते। लेकिन कुछ भी न सीखना भी ठीक नहीं। जब हमें इस संसार में रहना है तो इस संसार की व्यावहारिकता को भी जानना ही चाहिए, अन्यथा जीवन संकट में पड़ जाएगा।

हम चौबीसों घंटे पूरी दुनिया का नक्शा अपने दिमाग में न रखें, लेकिन जिस रास्ते से भी गुज़रें, विशेष रूप से उसका नक्शा ज़रूर अपने दिमाग में रखें। जीवन-यात्रा में जहां भी ख़ूबसूरत फूल खिले मिलें, उनसे अवश्य आनंदित हों। फिर हमारे जीवन के अगले क्षण की ही क्या गारंटी है? कल भी हमारी आंखों के सामने सुंदर-सुंदर फूल खिले हों, इसके लिए नए बीज बोते रहें, लेकिन वर्तमान की उपेक्षा किसी भी तरह से उचित नहीं।

## यदि अन्न साध लिया तो समझें कि आधा मेडिटेशन भी हो गया

पं. विजयशंकर मेहता

बहुत सारी जोड़ियां इस संसार में मशहूर हैं। ऐसे ही स्वभाव और आचरण की भी कुछ जोड़ियां हैं, जिनका तालमेल ठीक से बैठना चाहिए। जैसे ज्ञान के साथ विवेक, शील के साथ सदाचार, सत्य के साथ अहिंसा, सुख के साथ शांति, प्रेम के साथ आनंद, चरित्र के साथ नैतिकता। और यह तालमेल तभी सही बैठेगा, जब हम इसे आत्मा से समझें। हम सभी को अपने शरीर पर इतना दबाव बनाना चाहिए, मन को इतना नियंत्रित करना चाहिए कि हम अपनी आत्मा की तरफ यात्रा करें। कुछ लोग कहते हैं हमारे लिए ध्यान करना कठिन है तो एक प्रयोग किया जा सकता है- अपने खानपान के प्रति जागरूक हो जाएं। अन्न का गहरा असर मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। अगर अन्न शुद्ध है तो हमारे ब्रेन-गट एक्सिस को मजबूत करेगा। यह बात तो अब आहार वैज्ञानिकों ने घोषित कर दी है कि खुशी देने वाले 95% हार्मोन आंतों में बनते हैं। आंतों को शुद्ध रखने के लिए अन्न-शुद्धि बड़ी आवश्यक है। और यदि अन्न साध लिया तो आधा मेडिटेशन तो हो गया।

# विकास के आंकड़ों की जांच-परख

डॉ. सौरभ गर्ग, डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन

अभिषेक आनंद, जोश फेल्मन और अरविंद सुब्रमण्यन ने यह पूछा है कि जिस तिमाही में ऊर्जा के क्षेत्र में जोरदार झटके लगे हों, उसमें भारत की विकास दर आखिर 7.8 प्रतिशत कैसे हो सकती है। बेशक, यह एक उचित सवाल है। इसका एक जवाब भी है और वह जवाब पिछले कुछ वर्षों से सबके सामने ही है।

समय से ही शुरुआत करते हैं। इस तिमाही की अवधि अप्रैल से जून 2026 तक थी। इससे ठीक पहले ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इजराइल के बीच का संघर्ष चरम पर पहुंच गया था। तेल की कीमतों में जोरदार उछाल आया और भारत ने इसका असर महसूस किया। हालांकि मार्च और अप्रैल के शुरुआती दिनों में इस जबरदस्त व्यवधान में कमी आई। मई आते-आते दबाव के बदल छंट गए। जून तक, मुश्किल दौर बीत चुका था। तीन महीने वाली तिमाही की शुरुआत के कुछ मुश्किल हफ्ते उस तिमाही के आंकड़ों को मनगढ़ंत नहीं बना देते।

उन महीनों के सबूत एक ही दिशा की ओर इशारा करते हैं। ऑटोमोबाइल की बिक्री में निरंतर बढ़ोतरी हुई। एक प्रतिस्पर्धी मुद्रा की मदद से बैंक ऋण और निर्यात में बढ़ोतरी हुई। जीएसटी की दरों में कटौती के बावजूद, इसका संग्रह मजबूत बना रहा और हाल ही समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में इसमें 8.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। 2025-26 तक के तीन वर्षों में, जीएसटी के सकल संग्रह में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि ‘नॉमिनल जीडीपी’ में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये दोनों आंकड़े बिल्कुल अलग-अलग क्षेत्रों से आए हैं और दोनों ही लगभग एक-दूसरे से मेल खाते हैं। जीएसटी रिटर्न कंपनियां दाखिल करती हैं। ऋण संबंधी आंकड़े बैंकों से आते हैं। व्यापार के आंकड़े बंदरगाहों से आते हैं। इनमें से कोई भी आंकड़ा सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा तैयार नहीं किया जाता है।

अर्थव्यवस्था आखिर टिकी क्यों रही? क्योंकि कई सुधारों को एक साथ अपनाया गया। वर्ष 2022-23 के बाद से केन्द्र सरकार का पूंजीगत व्यय 65 प्रतिशत बढ़ा है और इस वर्ष इसमें 11.5 प्रतिशत और बढ़ोतरी का बजट रखा गया है। एक दशक में बनाई गई सड़कें, बंदरगाहें और बिजली संयंत्र तेल के महंगे होने पर ठप्प नहीं पड़े। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे ने अनौपचारिक गतिविधियों के एक बड़े हिस्से को औपचारिक बनाया और उन्हें मापी जा सकने वाली अर्थव्यवस्था में शामिल किया है। दिवाला संहिता ने डूबे हुए कर्ज (बैड डेट) से निपटने के बैंकों और कंपनियों के तौर-तरीकों को बदल दिया। रियल एस्टेट कानून ने उस सेक्टर को साफ-सुथरा बनाया, जो कभी अटकी हुई परियोजनाओं और पैसे के अपारदर्शी लेन-देन के लिए जाना जाता था। ‘द इकोनॉमिस्ट’ ने 2023 में उस सफाई अभियान का उल्लेख किया था। उसने नई दिल्ली पर कोई मेहरबानी नहीं की थी।

इसके बाद, तेल की कीमतों में अचानक आए उछाल से निपटने के लिए सरकार ने जो कुछ किया, वह भी सामने है। उसने कीमतों में हुई बढ़ोतरी का बोझ आम परिवारों और कंपनियों पर नहीं डाला। उसने इसकी लागत खुद वहन की। राजकोषीय गुंजाइश (फिस्कल स्पेस) का उद्देश्य ही यही है और भारत ने इसे तैयार किया है। इसका सबूत 2 सितंबर को मिला। जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की रेटिंग को बीबीबी+ से बढ़ाकर ए- कर दिया और इसके साथ ही स्थिर संभावना भी जताई। इसके अलावा, देश की रेटिंग सीमा (कंट्री सीलिंग) को भी ए कर दिया। भारत को तीन दशकों से अधिक समय से ‘ए’ रेटिंग नहीं मिली है। एजेंसी ने डिजिटल सार्वजनिक ढांचे, जीएसटी, दिवाला संहिता और सकल गैर-निष्पादित ऋण अनुपात (ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग लोन रेश्यो) के 1.8 प्रतिशत तक कम होने का उल्लेख किया। उसने यह भी कहा कि केन्द्र सरकार ने उच्च पूंजीगत व्यय को जारी रखते हुए भी अपने राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2025 में जीडीपी के 4.7 प्रतिशत से घटाकर वित्तीय 2026 में 4.4 प्रतिशत कर लिया। टोक्यो स्थित एक रेटिंग समिति के लिए दिल्ली में किसी को खुश करने की कोई वजह नहीं है। उन्होंने भी उन्हीं सुधारों को देखा और वही नतीजा

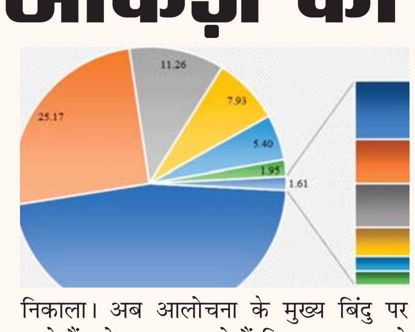


निकाला। अब आलोचना के मुख्य बिंदु पर आते हैं। लेखकगण पूछते हैं कि अगर आज ये संकेतक 7.8 प्रतिशत की विकास दर को सही ठहराते हैं, तो पूर्व के वर्षों में वैसी ही विकास दर कमजोर संकेतकों के साथ क्यों संभव हुई थी? यह मान लेना कि विकास हमेशा एक जैसी चीजों से ही संभव होती है, जरूरी नहीं है। निर्यात और औपचारिक ऋण से प्रेरित तिमाही, घरेलू खर्च या सरकारी निवेश से चलने वाले वर्ष जैसी नहीं होगी। पूर्व के वर्षों में विकास के अपने कारण थे, जो उस समय साफ दिख रहे थे। वर्ष 2024-25 तक, शेयर बाजार तेजी से चढ़ा और अधिक संख्या में भारतीयों ने निवेश करना शुरू किया। वर्ष 2022-23 और 2024-25 के बीच परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत में 60 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई। गैर-बैंक और तकनीक-आधारित ऋणदाता तेजी से बढ़े। वाणिज्यिक क्षेत्र में कुल संसाधनों का प्रवाह तीन वर्षों में 72 प्रतिशत बढ़ा, जिसमें गैर-बैंकों की हिस्सेदारी 96 प्रतिशत बढ़ी। ये असली कारण थे। बस, वे अलग थे।

मार्च 2023 से मार्च 2026 के बीच सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को दिए गए बकाया ऋण में 66.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जुलाई 2026 में भी यह बढ़ोतरी लगभग 25 प्रतिशत की दर से जारी थी। ऐसा कहा जाता है कि ऊर्जा की कीमतों में अचानक उछाल से छोटी कंपनियों को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। लेकिन उन्हें ऋण देने वाले इस बात से सहमत नहीं दिखते। ऋणदाता आम तौर पर उन कंपनियों को ऋण नहीं देते, जिनके असफल होने की आशंका होती है।

लेखकों के तर्क की तह में यह बात छिपी है कि सांख्यिकी मंत्रालय का काम सरकार की छवि को बेहतर दिखाना है। लेकिन आंकड़े इस बात की पुष्टि नहीं करते। वर्ष 2023-24 के लिए, मंत्रालय ने विकास दर के अनुमान को 9.2 प्रतिशत (पुरानी श्रृंखला के तहत) से घटाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया था। यानी, उन्होंने खुद ही लगभग दो प्रतिशत अंक कम कर दिए। अन्य आरोपों के मामले में भी गणित खिलाफ जाता है।

वर्ष 2024-25 में, नई श्रृंखला के तहत नॉमिनल जीडीपी की विकास दर पुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम रही - 9.8 प्रतिशत के मुकाबले 9.4 प्रतिशत - जबकि असल विकास बढ़ी। नॉमिनल जीडीपी सरकार के राजकोषीय लक्ष्यों का आधार होती है। सरकार सबसे ज़्यादा इसी आंकड़े को ऊंचा रखना चाहती है। अगर कोई मंत्रालय आंकड़ों में हेरफेर करता है, तो वह ऐसा अपनी कीमत पर नहीं करता। वर्ष 2024-25 और 2025-26 को मिलाकर देखें, तो नई श्रृंखला के तहत औसत असल विकास दर 7.0 प्रतिशत से बढ़कर 7.5 प्रतिशत हो जाती है। यह आधा प्रतिशत अंक अधिक है। अगर तीन वर्षों - 2023-24 से 2025-26 - को लें, तो नई में औसत ग्रोथ पुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम है - 7.7 प्रतिशत के मुकाबले 7.4 प्रतिशत।

लेखकगण अपनी बात एक कहावत के साथ खत्म करते हैं। वे लिखते हैं कि जो नियम आज लागू होता है, वही नियम पहले भी लागू होना चाहिए। यह सिद्धांत सही है। हमारी बस यही मांग है कि इसे पूरी तरह से लागू किया जाए। पिछले सालों के आंकड़े भी मौजूद हैं: जैसे घरेलू बचत, क्रेडिट में बढ़ोतरी, संसाधनों का प्रवाह, करों से होने वाली कमाई और निवेशकों का बढ़ता दायरा। अगर आप कुछ ही संकेतकों को देखें, तो पिछला समय कमजोर लग सकता है। लेकिन अगर आप सभी संकेतकों पर गौर करें, तो ऐसा नहीं लगता।

भारत ने एक बड़े झटके का सामना किया और आगे बढ़ता रहा। ऐसा इसलिए हो पाया क्योंकि उसने एक दशक में अपनी क्षमता बढ़ाई थी और वित्तीय मजबूती हासिल की थी। यह एक ठोस नतीजा है, न कि कोई बनावटी बात।

**लेखक सौरभ गर्ग, सचिव, सांख्यिकी और वी. अनंत नागेश्वरन, भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार**

# ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544



# श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग



प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

## प्रमुख खबरें...

### महेश नगर में नवधा रामायण पाठ में उमड़ा आस्था का सैलाब

**दुर्ग।** श्री कृष्ण जनमाष्टमी के उपलक्ष्य पर श्री राधाकृष्ण मंदिर उत्सव समिति द्वारा महेश नगर पुलगांव में चल रहे नवधा पारायण रामायण पाठ में प्रतिदिन श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत वातावरण बना हुआ है। रामायण के सस्वर सामूहिक पाठ में शामिल होने के लिए रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। आयोजन में आम श्रद्धालुओं के साथ जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठन के लोग शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। शनिवार को सुंदरकांड के दोहों का सामूहिक पाठ किया गया। इस अवसर पर जय श्री राम, जय श्री राम के जयकारे गुजांयमान रहे। रामायण पाठ में सांसद विजय बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, महापौर अलका बाघमार, शिक्षाविद् आईपी मिश्रा, प्रदेश भाजपा मंत्री जितेन्द्र वर्मा, जिला भाजपा महामंत्री दिलीप साहू सहित अन्य विशिष्टजन आयोजन स्थल पहुंचे और श्रद्धालुओं के साथ रामायण का पाठ किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से रामायणजी का पाठ कर भगवान श्रीराम के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था व्यक्त की। श्री राधा कृष्ण उत्सव समिति के संरक्षक चतुर्भुज राठी ने बताया कि जोधपुर के पं. गिरधर गोपाल आसोपा एवं पं. सुशील आसोपा द्वारा श्रद्धालुओं को नवधा पारायण रामायण का सामूहिक पाठ कराया जा रहा है।

### भिलाई की भागीदारी के साथ अमेरिका में हिंदी यूएसए ने शुरू किया शैक्षणिक वर्ष

**भिलाई।** सेंट लुईस, अमेरिका में हिंदी यूएसए ने अपने नौवें शैक्षणिक वर्ष 2026-27 की शुरुआत 230 से अधिक विद्यार्थियों और 40 स्वयंसेवी शिक्षकों के साथ की। विद्यालय के सभी शिक्षक स्वयंसेवक हैं और हिंदी यूएसए सेंट लुईस अमेरिका के 9 मध्य-पश्चिमी राज्यों में यह सबसे बड़ा हिंदी विद्यालय बना हुआ है। खास बात यह है कि इस्पात नगरी भिलाई निवासी दंपति मयंक जैन और आशु जैन इस महत्वपूर्ण पहल के मुख्य प्रेरक हैं। दोनों अमेरिका में हिंदी भाषा एवं भारतीय संस्कृति के प्रसार में अपना विशिष्ट योगदान दे रहे हैं। यहां पहले दिन विद्यार्थियों ने गणेश जी की कलाकृति बनाकर नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विशेष रक्षाबंधन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के 6-7 अमेरिकी प्रथम उत्तरदाताओं को आमंत्रित किया गया। हिंदी यूएसए के युवा स्वयंसेवकों ने उन्हें रक्षाबंधन का महत्व समझाया और छात्राओं ने राखी बांधकर उनकी सामुदायिक सेवा के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन के माध्यम से भारतीय संस्कृति और रक्षाबंधन की परंपरा अमेरिकी समुदाय के साथ साझा की गई। विद्यालय की वार्षिक प्रक्रिया के अंतर्गत विद्यालय समन्वयक मयंक जैन ने अभिभावकों के लिए विशेष परिचय एवं मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया।

## संस्कृत महोत्सव में जीवंत हुई शास्त्रार्थ परम्परा, व्याख्यान से जाना संस्कृत का महत्व

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** संस्कृत भाषा, संस्कृति, साहित्य और भारतीय ज्ञान-परंपरा के संरक्षण और संवर्धन हेतु छत्तीसगढ़ संस्कृत शिक्षा सेवा संस्थानम् का 15 दिवसीय ऑनलाइन संस्कृत महोत्सव संपन्न हुआ। इस दौरान संस्कृत में निहित योग, आयुर्वेद, दर्शन एवं भारतीय परंपराओं से जुड़ी विविध ज्ञानवर्धक और रचनात्मक गतिविधियों का सफल आयोजन हुआ। महोत्सव का शुभारंभ स्वामी निर्मल स्वरूप महाराज की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। संस्कृत में नवाचार, स्तुति प्रतियोगिता, शब्द भंडार, काशी की शास्त्रार्थ परंपरा, संस्कृत-हिंदी के विश्वकवि गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर विशेष व्याख्यान, आदर्श ध्येय वाक्य प्रतियोगिता, संस्कृत शोभायात्रा, संस्कृत प्रश्नमंच, बदरीनाथ धाम विषयक व्याख्यान एवं संस्कृत रूपक आदि विषयों पर हुए व्याख्यान लोगों के आकर्षण के केंद्र रहे। महोत्सव में डीडी न्यूज नई दिल्ली के डॉ. नारायण दत्त मिश्र एवं शुभमय मुखर्जी, पं. हेमन्त मिश्र, पं. अंबरीश त्रिपाठी, पं. शिवकुमार पाण्डेय, डॉ. अमित बन्दोलिया (बदरीनाथ धाम), प्रो. के. विश्वनाथन, वैद्य प्रशांत मिश्र और हार्वर्ड विश्वविद्यालय अमेरिका से डॉ. राधा विलेण्डर मान आदि अनेक विद्वानों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। विविध सत्रों में संपन्न इस वैश्विक आयोजन के चतुर्थ सत्र की अध्यक्षता आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा ने की। दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के डॉ. ललित प्रधान ने छत्तीसगढ़ी भाषा पर संस्कृत का प्रभाव आलेख प्रस्तुत किया। सत्र अध्यक्ष आचार्य डॉ. शर्मा की पुस्तक छत्तीसगढ़ में संस्कृत में भी लोगों ने विशेष रुचि दिखाई। संस्थान के सचिव एवं इस वैश्विक समारोह के संयोजक डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि यह 15 दिवसीय संस्कृत महोत्सव केवल कार्यक्रमों की श्रृंखला नहीं, अपितु भारतीय ज्ञान, संस्कृति, परंपरा और आधुनिकता के समन्वय का सार्थक प्रयास रहा।

## शिक्षक अभिनंदन समारोह : स्कूल के सभी शिक्षकों का हुआ सम्मान

### पालक शिक्षक समिति एवं भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के संयुक्त तत्वावधान में समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक अभिनंदन समारोह एवं विद्यालय की प्रथम वार्षिक पत्रिका 'प्रिज्म' का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। पालक शिक्षक समिति एवं भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की स्मृति को नमन करते हुए शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। समारोह के मुख्य अतिथि पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक, मानव संसाधन, भिलाई इस्पात संयंत्र थे। विशिष्ट अतिथि एबी श्रीनिवास, महाप्रबंधक प्रभारी, नगर सेवाएं विभाग एवं शिखा दुबे, महाप्रबंधक, शिक्षा विभाग विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों ने 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' की भावना एवं विश्व शांति की प्रार्थना के साथ मां सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा समस्त शिक्षकों को श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। निदेशक प्रभारी पुरस्कार के लिए चयनित विद्यालय के चार शिक्षकों, श्रीमती सरिता कुमारी शाक्या, श्रीमती सुनीता अनिल, श्रीमती सजिता राजेश एवं श्रीमती संगीता मिश्रा को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती सरिता शाक्या ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी अतिथियों एवं दर्शकों की गरिमामयी उपस्थिति और सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रथम वार्षिक पत्रिका 'प्रिज्म' का मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया।

### शिक्षकों के साथ भावनात्मक जुड़ाव की झलक

विशिष्ट अतिथि एबी श्रीनिवास ने अपने उद्बोधन में मंच संचालन कर रही छात्राओं आर्या पांडे एवं अनन्या द्वारा शिक्षकों के सम्मान में प्रस्तुत पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों के अपने शिक्षकों के साथ भावनात्मक जुड़ाव की झलक मिलती है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्राचार्य श्री विजय सिंह पवार एवं समस्त शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पालक शिक्षक समिति के सदस्यों ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। अध्यक्ष, पालक शिक्षक समिति भुनेश्वरी देवांगन ने स्वागत भाषण में शिक्षक की भूमिका एवं समाज के निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

### प्रत्येक बच्चा अपने आप में विशिष्ट

इस मौके पर मुख्य अतिथि पवन कुमार ने कहा कि प्रत्येक बच्चा अपने आप में विशिष्ट होता है और उसके भीतर अनेक प्रतिभाएं छिपी होती हैं। विद्यालय की जिम्मेदारी है कि इन प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें उचित दिशा और अवसर प्रदान करे, ताकि विद्यार्थी जीवन में सफल हो सकें। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अपने जीवन में शिक्षकों के योगदान को भी स्मरण करते हुए कहा कि आज वे जिस मुकाम पर हैं, उसमें उनके शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने भिलाई के विद्यालयों की समृद्ध विरासत पर गर्व व्यक्त किया।

## बीएसपी ने सुरक्षा पहलों पर ई-पत्रिका का शुभारंभ किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) की अगस्त 2026 माह की सुरक्षा पहलों को प्रदर्शित करने वाली ई-पत्रिका का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार ने 5 सितंबर 2026 को ईडी (वर्क्स) सम्मेलन कक्ष में किया। सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग (एसईडी) द्वारा प्रकाशित इस ई-पत्रिका की थीम है — सुरक्षा केवल प्राथमिकता नहीं, बल्कि वह मूल्य है जिसे हम अपने जीवन में अपनाते हैं। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा) पुष्पा एम्ब्रोस तथा सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के सदस्य उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार ने कहा कि सुरक्षा को केवल नियमित दायित्व के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समर्पित एक नेक पेशे के रूप में अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने सुरक्षा पेशेवरों से सक्रिय एवं सजग रहते हुए बिना किसी भय या पक्षपात के अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा से संबंधित चिंताओं और अवलोकनों को समय पर सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए सीधे संबंधित विभागाध्यक्षों के संज्ञान में लाया जाना चाहिए ई-पत्रिका में निदेशक प्रभारी, बीएसपी चित्तरंजन महापात्र एवं कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री राकेश कुमार के नेतृत्व में बीएसपी सामूहिक द्वारा की जा रही विभिन्न सुरक्षा पहलों के साथ-साथ सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सुरक्षा प्रथाओं को जमीनी स्तर तक ले जाने के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों को भी प्रस्तुत किया गया है। ई-पत्रिका में सुरक्षा पर लार्ज ग्रुप इंटरैक्शन (एलजीआई) को प्रमुखता से स्थान दिया गया है, जिनका आयोजन कार्यपालक निदेशक (वर्क्स), मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा) तथा एसईडी टीम द्वारा किया जा रहा है।

## शोभायात्रा में गूंजे जय श्रीकृष्ण के जयकारे

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य पर सर्व यादव समाज द्वारा रविवार को दुर्ग शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और धार्मिक उल्लास से सराबोर इस शोभायात्रा में यादव समाज के महिला-पुरुषों के साथ बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। पूरे मार्ग में गूंजते जय श्रीकृष्ण के जयकारों से शहर का वातावरण भक्तिमय बना रहा। शोभायात्रा का शुभारंभ पचरीपारा स्थित यादव छात्रावास से हुआ। यहां कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव सहित यादव समाज के वरिष्ठ सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों ने भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना कर शोभायात्रा को रवाना किया।

शोभायात्रा यादव छात्रावास से प्रारंभ होकर पचरीपारा, सुभाष चौक, पोलसायपारा, तकियापारा, तमेरपारा, चंडी चौक, गवलीपारा, गांधी चौक, इंदिरा मार्केट होते हुए पुराना बस स्टैंड पहुंची। इसके बाद पटेल चौक और नया बस स्टैंड होते हुए मानस भवन पहुंची, जहां शोभायात्रा का समापन हुआ। शोभायात्रा में भगवान श्रीकृष्ण और राधा की आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केन्द्र रहीं। भक्ति गीतों, जयघोष और उत्साह के बीच श्रद्धालु पूरे मार्ग में भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। शोभायात्रा ने शहर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया।

शोभायात्रा का पूरे मार्ग में विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों तथा नागरिकों द्वारा जगह-जगह आत्मीय स्वागत किया गया। पचरीपारा में पूर्व पार्षद ओमप्रकाश सेन (राकेश) एवं पार्षद ममता सेन के नेतृत्व में शोभायात्रा का गाजे-बाजे और जोरदार आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान शोभायात्रा में शामिल यादव समाज के लोगों को पेयजल एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया गया और जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दी गईं। स्वागत कार्यक्रेम में मन्नू दुबे, चंद्रकांत साहू, कपिल यादव, सन्नी, राहुल, अनिल, गजेन्द्र, गुड्डा, प्रदीप, नवीन, रवि, गणेश, मनीष, अतुल, जितेश, सूर्या, राहुल, लोकेश, गगन पांडे, रामचरण, सुशांत सहित पचरीपारा वार्ड के बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

## इस्कॉन दुर्ग में आस्था और भक्ति के रंग में रंगा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** परम पूज्य श्री सिद्धार्थ स्वामी महाराज जी की पावन प्रेरणा एवं आशीर्वाद से भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर इस्कॉन दुर्ग में रविवार को भव्य एवं भक्तिमय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया। सुबह से रात तक चले इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, बच्चों, युवाओं एवं शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

पूरे आयोजन के दौरान इस्कॉन परिसर हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे। हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे। महामंत्र के मधुर संकीर्तन से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ संकीर्तन में सहभागिता की, जिससे संपूर्ण वातावरण कृष्णमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया।

महोत्सव के दौरान भगवान श्रीकृष्ण का विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ भव्य अभिषेक किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा परिवार एवं समाज के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ बच्चों एवं युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। चित्रकला, रंगोली, केक मेकिंग, गोपाल श्रृंगार, फैंसी ड्रेस, नृत्य, श्लोक उच्चारण एवं रील्स सहित अनेक प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पूर्व विधायक अरुण वोरा, दुर्ग कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल एवं महापौर अलका बाघमार विशेष रूप से उपस्थित हुए। अतिथियों ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा भव्य आयोजन की सराहना करते हुए सभी श्रद्धालुओं एवं शहरवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

महोत्सव में श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई थी। सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद वितरण एवं अन्य व्यवस्थाओं में बड़ी संख्या में सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने समर्पित भाव से अपनी सहभागिता निभाई।

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण के दौरान बच्चों एवं उनके परिजनों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस्कॉन दुर्ग के अनंत श्याम दास प्रभु जी के मार्गदर्शन में आयोजित इस भव्य श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का उद्देश्य समाज में भक्ति, संस्कार एवं भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही बच्चों एवं युवाओं को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनकी लीलाओं और शिक्षाओं से जोड़ना रहा। पूरे आयोजन में भक्ति, संस्कृति, सेवा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।

## बीएसपी ने मासिक उत्पादन का रचा नया कीर्तिमान अनेक उत्पादन इकाइयों ने बनाए नए रिकॉर्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने अगस्त 2026 में उत्कृष्ट उत्पादन प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रमुख उत्पादन एवं प्रेषण मानकों में अब तक के सर्वश्रेष्ठ अगस्त रिकॉर्ड को उल्लेखनीय अंतर से पीछे छोड़ दिया।

ओएचपी ने कुल मटेरियल हैंडलिंग 21,96,904 टन दर्ज की, जो अगस्त 2025 में दर्ज 19,78,420 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड से अधिक है। सिंटर प्लांट ने भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को जारी रखते हुए कुल सिंटर उत्पादन 7,59,850 टन दर्ज किया, जो अगस्त 2023 के 7,30,079 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड से अधिक है। वहीं सिंटर प्लांट-3 ने 5,18,634 टन उत्पादन कर अगस्त 2021 में दर्ज 5,04,821 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

ब्लास्ट फर्नेस-8 ने अगस्त 2026 में 2,49,027 टन हॉट मेटल उत्पादन कर अगस्त 2021 में दर्ज 2,39,713 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। संयंत्र का कुल हॉट मेटल उत्पादन 5,04,048 टन रहा, जिसने अगस्त 2010 में दर्ज 5,00,042 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पार किया। स्टील मेल्टिंग शॉप-3 ने 1,19,105 टन ब्लूम उत्पादन दर्ज किया, जो अगस्त 2024 में दर्ज 1,13,375 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड से अधिक है। कुल क्रूड स्टील उत्पादन 4,83,348 टन रहा, जिसने अगस्त 2023 में दर्ज 4,62,013 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

यूआरएम ने अगस्त 2026 में 93,386 टन फिनिश्ड रेल, 90,224 टन प्राइम रेल तथा 87,376 टन लॉन्ग रेल उत्पादन दर्ज किया, जो अगस्त 2025 में दर्ज क्रमश: 87,413 टन, 84,041 टन एवं 81,044 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड से अधिक है। कुल फिनिश्ड रेल उत्पादन 1,38,241 टन रहा, जिसने अगस्त 2025 में दर्ज 1,35,006 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। संयंत्र का कुल प्राइम रेल उत्पादन 1,27,859 टन रहा, जो दिसंबर 2019 में दर्ज 1,27,014 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड से अधिक है।

रेल प्रेषण के क्षेत्र में भी संयंत्र ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। यूआरएम से लॉन्ग रेल की लोडिंग 95,808 टन रही, जिसने जून 2026 में दर्ज 89,059 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। कुल लॉन्ग रेल लोडिंग 1,12,713 टन रही, जो जून 2026 के 1,05,026 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड से अधिक है।

## उत्कृष्ट समाज की संरचना में शिक्षक का सर्वाधिक महत्व: प्रियदर्शी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** इस्पात नगरी भिलाई के 4 दशक पुराने हिंदी-रूसी सांस्कृतिक समूह मेटलर्जिकल म्यूजिक मेकर्स (3एम) भिलाई इस्पात संयंत्र से संबद्ध एवं एनजीओ सृजन फाउंडेशन ने एक आयोजन में अंचल के छह प्रतिष्ठित शिक्षकों को सम्मानित किया। भिलाई स्टील प्लांट के महाप्रबंधक प्रभारी, एलए एवं पीआर अमूल्य प्रियदर्शी एवं वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र सोनबोईर के हाथों इन शिक्षकों को सम्मानित किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि अमूल्य प्रियदर्शी ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान करके हम खुद सम्मानित होते हैं क्योंकि किसी भी उत्कृष्ट समाज की संरचना में शिक्षक का सर्वाधिक महत्व होता है। उन्होंने इस बात पर

ज्ञात हो कि 3 एम समूह की स्थापना वर्ष 4 दशक पहले भिलाई इस्पात संयंत्र के बैनर तले स्व. प्रदीप सिंह के सहयोग एवं तत्कालीन प्रबंध निदेशक स्व. के.आर. संगमेश्वरन के निर्देश पर हुई थी। इसका प्रथम कार्यक्रम प्रख्यात संगीतज्ञ और बीएसपी के माइंस प्रमुख स्व. बिमलेंदु मुखर्जी के सहयोग से राजहरा माइंस में हुआ था। इसके पश्चात टाटा, बोकारो, राउरकेला, दुर्गापुर, आरआईएनएल, भेल, सेलम, एमओआईएल लिमिटेड नागपुर, मावलंकर हॉल दिल्ली और ज्ञान मंच कोलकाता जैसे देश के सभी प्रमुख इस्पात संयंत्रों और संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

आयोजन में हरिशंकर वर्मा, चिरंजीव जैन, दीपक रंजन दास, सुषमा तिवारी, रजनी आर्य तथा स्व. राकेश-अलका शर्मा का सम्मान उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए किया गया।


Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

प्रमुख खबरें

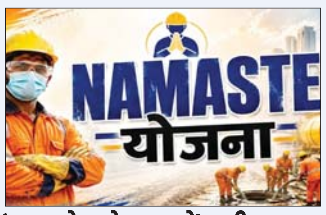


## 'नमस्ते' योजना में छत्तीसगढ़ संयुक्त रूप से देश में प्रथम

**रायपुर।** सीवर एवं सेप्टिक टैंक कर्मियों की सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता कार्यों में मशीनीकरण को बढ़ावा देने में छत्तीसगढ़ ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। केंद्र सरकार की 'नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम' योजना के अंतर्गत राज्यों के प्रदर्शन की रैंकिंग में छत्तीसगढ़ ने संयुक्त रूप से देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। छत्तीसगढ़ के साथ आंध्रप्रदेश, ओडिशा, त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश और केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी 'नमस्ते' योजना के क्रियान्वयन में संयुक्त रूप से देश में पहले स्थान पर हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने इस उपलब्धि पर नगरीय निकायों, विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों व 'नमस्ते' योजना के क्रियान्वयन से जुड़े सभी मैदानी अमले को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर कार्य परिस्थितियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। स्वच्छता कार्यों में मशीनीकरण को बढ़ावा देकर जोखिमपूर्ण कार्यों को समाप्त करना और स्वच्छता कर्मियों को सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण कार्य का वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्रतिबद्धता है। श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ का 'नमस्ते' योजना के क्रियान्वयन में संयुक्त रूप से राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना स्वच्छता कर्मियों के सत्यापन, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता, व्यावसायिक सुरक्षा प्रशिक्षण, सामाजिक सुरक्षा, आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था और स्वच्छता कार्यों के मशीनीकरण के लिए यहां किए जा रहे कार्यों की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह उपलब्धि स्वच्छता कर्मियों के सम्मान, सुरक्षित स्वच्छता व्यवस्था और स्वच्छता कार्यों के दौरान होने वाली मृत्यु को शून्य करने की ओर छत्तीसगढ़ की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में अब तक 1487 सीवर एवं सेप्टिक टैंक कर्मियों का सर्वेक्षण कर 1465 कर्मियों का सत्यापन किया गया है। 169 नगरीय निकायों में 1428 कर्मियों को पीपीई किट वितरित किए गए हैं और 1374 कर्मियों को आयुष्मान भारत कार्ड उपलब्ध कराया गया है। वहीं 139 सीवर एवं सेप्टिक टैंक कर्मियों को व्यावसायिक सुरक्षा प्रशिक्षण तथा 923 स्वच्छता कर्मियों को कार्यशाला आयोजित कर सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस साल 14 जुलाई को राज्य के सभी नगरीय निकायों में 'नमस्ते' दिवस का आयोजन किया गया था, जिनमें 15 हजार से अधिक स्वच्छता कर्मियों, जनप्रतिनिधियों, शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों एवं आम नागरिकों ने सहभागिता की थी। इन कार्यक्रमों में स्वच्छता कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण, व्यावसायिक सुरक्षा प्रशिक्षण, कर्मचारियों का सम्मान तथा पीपीई किट एवं आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए थे।

### कबीर नगर दशहरा मैदान में मोर-माटी संगठन का महति आयोजन

# तीजा-पोरा छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और समृद्ध कृषि परंपरा के प्रतीक : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के कबीर नगर स्थित दशहरा मैदान में मोर माटी सांस्कृतिक संगठन द्वारा आयोजित तीजा-पोरा तिहार कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि तीजा-पोरा तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के प्रतीक हैं। तीजा हमारी माताओं-बहनों, परिवार और रिश्तों से जुड़ा पर्व है, वहीं पोरा हमारे अन्नदाता किसानों, खेती और पशुधन के सम्मान का पर्व है। ऐसे लोकपर्व हमारी संस्कृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवंत बनाए रखने के साथ समाज में आत्मीयता और समरसता को भी मजबूत करते हैं।**

मुख्यमंत्री श्री साय ने मोर माटी सांस्कृतिक संगठन की मांग पर कबीर नगर में सर्व समाज भवन के निर्माण के लिए 50 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया और माताओं-बहनों को तीजा पर्व के अवसर पर साड़ी भेंट की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी को तीजा-पोरा तिहार की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि मोर माटी सांस्कृतिक संगठन द्वारा हर वर्ष इस पर्व को भव्यता और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता इसमें सभी समाजों की सहभागिता और समरसता का भाव है। हमारे तीज-त्योहार हमें अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ एक-दूसरे के और करीब लाते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी को सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है— 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:।' तीजा तिहार माताओं-बहनों के त्याग, तप और परिवार के प्रति उनके समर्पण का पर्व है। इस दिन महिलाएं परिवार की सुख-समृद्धि और पति की दीर्घायु की कामना के साथ व्रत रखती हैं, भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं तथा कथा श्रवण और रात्रि जागरण करती हैं।

उन्होंने कहा कि भारत तीज-त्योहारों का देश है और छत्तीसगढ़ की संस्कृति में इन पर्वों की विशेष महत्ता है। एकादशी और करमा तिहार सहित हमारे अनेक पर्वों के पीछे सामाजिक और सांस्कृतिक संदेश निहित हैं। ये परंपराएं हमारे पूर्वजों की अमूल्य विरासत हैं। इन्हें सहेजना और आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी अपनी संस्कृति और परंपराओं के महत्व को समझें और उनसे जुड़ी रहें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार गांव, गरीब, किसान और माताओं-बहनों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार बनने के बाद पहली ही कैबिनेट में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी गई। बीते दो वर्षों में 11 लाख से अधिक आवास बन चुके हैं और प्रतिदिन लगभग 1600 आवासों का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है। किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माताओं-बहनों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रतिमाह एक हजार रुपए की सहायता दी जा रही है और अब तक 31 किश्तों का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि गांव की महिलाओं के लिए यह राशि आर्थिक संबल का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। महिलाएं इस राशि का उपयोग किराना एवं सब्जी दुकान जैसे छोटे व्यवसाय शुरू करने, सिलाई मशीन खरीदने और बेटियों के भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में बचत करने जैसे कार्यों में कर रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लंबे समय तक नक्सलवाद छत्तीसगढ़ के विकास की राह में बड़ी बाधा रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में बनाई गई प्रभावी रणनीति और हमारे सुरक्षाबलों के अदम्य साहस से आज छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्त हुआ है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा 15 हजार आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए अलग से आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिससे वे समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानजनक जीवन की नई शुरुआत कर सकें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया गया है। पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन के लिए ई-फाइल प्रणाली लागू की गई है तथा शासकीय प्रक्रियाओं को तेजी से डिजिटल और ऑनलाइन बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से नागरिक चौबीसों घंटे अपनी समस्याएं दर्ज करा सकते हैं। शिकायतों के समयबद्ध निराकरण के लिए चार स्तरों पर लगभग 8 हजार कर्मचारियों को जोड़ा गया है। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से 36 विभागों की 700 से अधिक सेवाएं नागरिकों को मोबाइल पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल और माता कौशल्या का मायका है। रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्याधाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन कराए जा रहे हैं और अब तक 50 हजार से अधिक श्रद्धालु इसका लाभ ले चुके हैं। इसी प्रकार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत प्रदेश के बुजुर्गों को देश के चयनित 31 तीर्थ स्थलों की यात्रा कराई जा रही है।

इस अवसर पर विधायक मोतीलाल साहू सहित रमेश सिंह ठाकुर, भगतराम हरबंस, चंद्रशेखर शुक्ला, टेकेश्वर चंद्रा, धीरेन्द्र परगनिहा, देवा साहू, ओमप्रकाश मरावी, मनोज जोशी, मैक मिलन साहू, मोर माटी सांस्कृतिक संगठन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

# खेल प्रतिभाओं को तराशने और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है छत्तीसगढ़ की साय सरकार : साव

श्रीकंचनपथ समाचार

**बिलासपुर।** उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत इन प्रतिभाओं को पहचानने, तराशने और उन्हें आगे बढ़ने के बेहतर अवसर प्रदान करने की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बिलासपुर में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल के मैदान में संघर्ष करने और पसीना बहाने वाले खिलाड़ी ही सफलता की नई ऊंचाइयों को छूते हैं। जो खेलेगा, वही खिलेगा। आज देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी खेल और खिलाड़ियों के विकास को विशेष प्राथमिकता दे रहे हैं। खेलो इंडिया के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भी खेल और खिलाड़ियों की बेहतरी के लिए लगातार कार्य कर रही है। राज्य में बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक का आयोजन किया गया है। छत्तीसगढ़ को खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स की मेजबानी का अवसर भी मिला है। राज्य सरकार ने बंद हो चुके खेल अलंकरण को पुन: प्रारंभ करने के साथ ही उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की है।

श्री साव ने बताया कि 29 अगस्त को राज्य सरकार द्वारा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप एक करोड़ 74 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई है। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष योजना के अंतर्गत इस वर्ष के बजट में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके माध्यम से खेलों के विकास के साथ ही स्पोर्ट्स साइंस और खेल अधोसंरचना को भी मजबूत किया जाएगा।

प्रतियोगिता का आयोजन बिलासपुर के संजय तरण पुष्कर एवं छत्तीसगढ़ स्कूल खेल मैदान में किया गया। समापन समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और अन्य अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया।

### शिक्षा के साथ खेल भी जरूरी : अमर अग्रवाल

बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रहना भी आवश्यक है, जिसमें खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार ने खेलों के लिए आधारभूत अधोसंरचना विकसित करने का कार्य किया है।

### भविष्य का आधार भी है खेलकूद : कौशिक

बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा है और खेल के मैदान में होने वाली प्रतिस्पर्धा खिलाड़ियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाती है।

### बिलासपुर बना चैंपियन

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों के 845 खिलाड़ियों एवं 150 से अधिक ऑफिशियल्स ने भाग लिया। बिलासपुर संभाग ने सभी प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए 3800 अंकों के साथ ओवरऑल चौंपियन का खिताब अपने नाम किया।

# श्रीकृष्ण के आदर्शों से प्रेरणा लेकर प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करें- राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, आस्था और उल्लास से सराबोर जशपुर के रंजीता स्टेडियम में आयोजित भव्य दही हांडी उत्सव में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल सम्मिलित हुए। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं और गोविंदा टोलियों की मौजूदगी में उत्सव का उल्लास देखते ही बना। पूरे स्टेडियम परिसर में भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने उत्सव में शामिल होकर श्रद्धालुओं और गोविंदाओं का उत्साहवर्धन किया तथा सभी को दही हांडी उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें प्रेम, करुणा, धर्म, कर्तव्य और लोककल्याण की प्रेरणा देता है। दही हांडी जैसे पारंपरिक उत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने के साथ समाज में एकता, भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं।

उत्सव का मुख्य आकर्षण गोविंदा टोलियों द्वारा दही हांडी फोड़ने का रोमांचक प्रदर्शन रहा। एक-दूसरे के कंधों पर चढ़कर ऊंचाई तक पहुंचते गोविंदाओं ने साहस, विश्वास, अनुशासन और सामूहिक प्रयास का शानदार परिचय दिया। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि दही हांडी केवल उत्सव और मनोरंजन का अवसर नहीं, बल्कि सामूहिक शक्ति, सहयोग और विश्वास का प्रतीक है। जब समाज एकजुट होकर लक्ष्य की ओर आगे बढ़ता है, तो कठिन से कठिन लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है। गोविंदाओं की टोली का प्रत्येक सदस्य एक-दूसरे पर विश्वास करते हुए सामूहिक प्रयास करता है और यही एकजुटता समाज की सबसे बड़ी ताकत है।

# 'बीना भाभी' ने खुद तोड़ी चुप्पी

## रसिका दुग्गलः 'मिर्जापुर' में बोल्ड सीन फिल्माना कितना मुश्किल भरा रहा?

'मिर्जापुर द मूवी' बीते दिन बड़े पर्दे पर रिलीज हो चुकी है। सीरीज की तरह इसमें भी रसिका दुग्गल के बोल्ड सीन हैं। अभिनेत्री ने बताया कि बोल्ड सीन फिल्माने का अनुभव कैसा रहा?

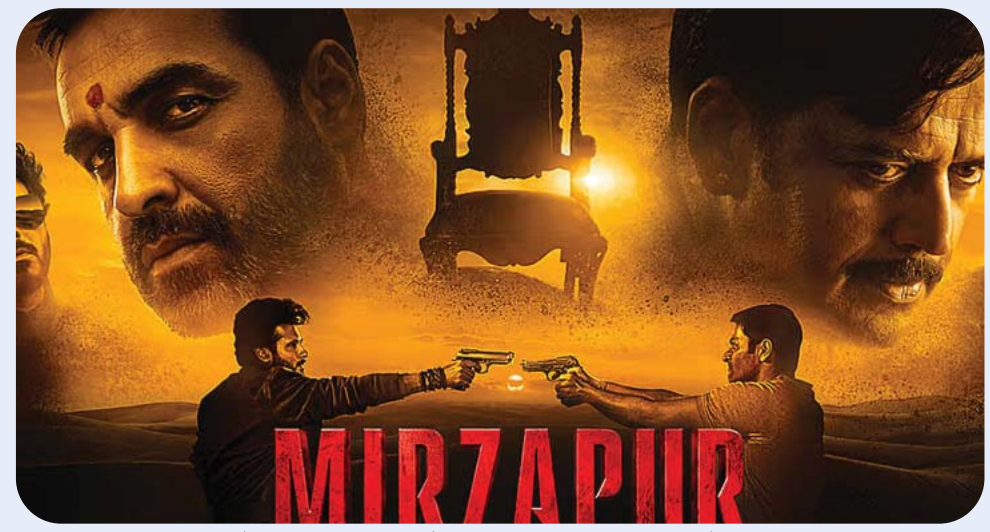


वेब सीरीज 'मिर्जापुर' में 'बीना भाभी' का किरदार रसिका दुग्गल ने निभाया है। अब यह कहानी फिल्म के रूप में बड़े परदे पर आ चुकी है। इसमें भी रसिका दुग्गल नजर आई हैं। सीरीज हो या फिल्म, दोनों में ही उनका किरदार बोल्ड है और कुछ इंटीमेट सीन्स फिल्माए गए हैं। यह रसिका के लिए कितना मुश्किल रहा? जानिए

### क्या बोलीं रसिका दुग्गल?

रसिका दुग्गल के मुताबिक, इंटीमेट सीन शूट करने की कड़ी में 'इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर' काफी मददगार साबित हुए। उन्होंने सहज महसूस कराया। बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड में फिल्म सेट पर 'इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर' या कोच रखने का कॉन्सेप्ट काफी चर्चा में रहा है। कई सितारों ने बताया है कि इनकी मौजूदगी से बोल्ड या इंटिमेट सीन शूट करते समय ज्यादा सुरक्षित और सहज माहौल बनाने में मदद मिलती है। रसिका दुग्गल का भी कुछ यही कहना है।

'मिर्जापुर' की एक्ट्रेस रसिका दुगल भी 'इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर' की समर्थक हैं। उन्होंने बताया कि इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर होने से उन्हें कुछ बोल्ड सीन शूट करते समय ज्यादा सहज महसूस करने में मदद मिली।

### रसिका ने बताया- क्या करते हैं इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर?

रसिका दुग्गल का कहना है, 'खासकर इंटीमेसी सीन के लिए आजकल हमारे पास इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर होते हैं, जो बहुत जरूरी है, ताकि किसी के साथ भी किसी तरह की जबर्दस्ती न हो। सभी की चिंताओं का ठीक से ध्यान रखा जाए'।

यह वैसा ही है जैसे डांस सीक्वेंस के लिए कोरियोग्राफर होता है। या जैसे एक्शन सीक्वेंस के लिए फाइट मास्टर होता है। ठीक वैसे ही, इंटीमेसी सीक्वेंस के लिए इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर होता है। तो हम उन सीन के लिए पहले वर्कशॉप करते हैं, ताकि यह समझ सकें कि किसी के लिए- यानी एक्टर, को-एक्टर या खुद आपके लिए, क्या आरामदायक है और क्या नहीं। साथ ही, हम यह समझने की कोशिश करते हैं कि डायरेक्टर हमसे चर्चा करने के बाद जो चाहते हैं, उसे कैसे हासिल किया जाए'?

### पहले सीजन के दौरान नहीं थे इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर

रसिका ने कहा, 'अगर किसी को किसी चीज से असहजता होती है, तो हम उसी असर को पाने का कोई दूसरा तरीका खोजने की कोशिश करते हैं, लेकिन बिना किसी को असहज महसूस कराए। इसलिए आजकल इन सब चीजों का बहुत अच्छे से तालमेल बिठाया जाता है। मुझे लगता है कि इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर्स का होना बहुत अच्छी बात है। इससे हर कोई बहुत सहज महसूस करता है'।

एक्ट्रेस के मुताबिक, 'जब हम 'मिर्जापुर' का पहला सीजन कर रहे थे, तब 'इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर' जैसा कोई कॉन्सेप्ट नहीं था। मुझे लगता है कि वेस्ट में तो यह पहले से ही था, लेकिन यहां तब तक यह नहीं आया था। लेकिन हम खुशकिस्मत थे कि हमारी यूनिट और डायरेक्टर बहुत संवेदनशील थे। उन्होंने पक्का किया कि उस समय इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर का रोल कौन निभाएगा। इसलिए मुझे ठीक-ठीक पता था कि मैं कौन से शॉट्स कर रही हूं और उन्हें कैसे शूट किया जाएगा। डायरेक्टर ने पहले ही मुझसे इस बारे में बात की थी, ताकि अगर मुझे किसी चीज़ से दिक्कत हो, तो मैं मना कर सकूं'।

### कैसा रहा 'किस्सा' में इरफान के साथ काम करने का अनुभव?

आगे रसिका ने फिल्म 'किस्सा' में दिवंगत एक्टर इरफान खान के साथ काम करने का अनुभव भी साझा किया। रसिका ने कहा, 'खूबसूरत... मुझे लगता है कि इरफान ने मुझे सच में सिखाया कि एक अच्छा को-एक्टर कैसे बनते हैं। मुझे लगता है कि वह उन बेहद प्रतिभाशाली लोगों में से एक थे, जिनके साथ मैंने कभी काम किया है। साथ ही, वह अपने को-एक्टर का सम्मान करते थे'।

रसिका ने आगे बताया, 'जब हम 'किस्सा' की शूटिंग कर रहे थे, तब मैंने बहुत कम काम किया था, जबकि इरफान का काम पहले से ही बहुत ज्यादा था। फिर भी, सेट पर मेरी मौजूदगी और फिल्म में मेरे योगदान के लिए उनके मन में एक बिना कहे सम्मान था, जिससे मुझे बहुत आत्मविश्वास मिला। इसने सच में मुझे अपनी परफॉर्मेंस को और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया'।

# मुसाफिर कैफे वाली वेदिका पिंटो के हाथ लगी प्रोसित रॉय की फिल्म, लक्ष्य संग जमेगी जोड़ी

नेटफ्लिक्स की सीरीज मुसाफिर कैफे (जुलाई, 2026) में नजर आईं वेदिका पिंटो के हाथ एक बड़ी फिल्म लगी है। खबर है कि फिल्म निर्देशक प्रोसित रॉय की अगली मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में वह मुख्य किरदार निभाएंगी, जिसमें लक्ष्य की पुष्टि पहले से हो चुकी है। फिल्म का शीर्षक अब तक तय नहीं हुआ है, लेकिन इसे एक अनूठी मनोवैज्ञानिक प्रेम कहानी बताया जा रहा है। लक्ष्य और वेदिका के रूप में दर्शकों को जल्द ही एक नई जोड़ी दिखाई देगी।

एक सूत्र ने कहा, वेदिका इस किरदार के लिए सबसे उपयुक्त हैं। इस भूमिका के लिए ऐसी अभिनेत्री की जरूरत है जो इसमें ताजगी और तीव्रता ला सके, और वह इस किरदार में बखूबी फिट बैठती हैं।

प्रोसित को लक्ष्य के साथ जिस तरह की ऊर्जा चाहिए थी, उसके बारे में वे स्पष्ट थे, और वेदिका इसके लिए एकदम सही विकल्प साबित हुईं। उनकी जोड़ी बिल्कुल नई है, और निर्माता इसी बात को लेकर उत्साहित हैं।

सूत्र ने आगे कहा, फिल्म निर्माता इस परियोजना को इस साल के अंत में निर्माण कार्य में लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। फिल्म 2027 में रिलीज होने की योजना है।

बताया जा रहा है कि फिल्म में प्रेम-कहानी के मनोवैज्ञानिक पहलुओं को गहराई से दिखाया जाएगा। एक पारंपरिक प्रेम-कहानी के विपरीत, यह फिल्म अपने मनोवैज्ञानिक तत्वों से रोमांस में एक नया आयाम जोड़ेगी। मुसाफिर कैफे की सफलता के बाद, वेदिका के बिल्कुल अलग किरदार की उम्मीद है।

# फिल्म 'जिस्म' के सीन पर क्या बोलीं बिपाशा? बताया लोगों ने क्या दी थी नसीहत

बिपाशा बसु ने अपने करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक 'जिस्म' के बारे में काफी कुछ कहा। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने उन्हें इस फिल्म में अभिनय न करने की सलाह दी थी। जानें फिल्म पर क्या बोलीं एक्ट्रेस?

अभिनेत्री बिपाशा बसु बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री रही हैं। उनकी फिल्म 'जिस्म' को दर्शकों ने काफी प्यार दिया था। मगर एक्ट्रेस ने एक बातचीत में खुलासा किया है कि इंडस्ट्री के अनुभवी लोगों ने उन्हें यह फिल्म न करने की सलाह दी थी।

एक्ट्रेस बिपाशा बसु नेकहा, ' जब मेरे पास यह फिल्म आई तो उस वक्त फिल्मी दुनिया से जुड़े लोगों ने मुझे इस फिल्म में काम न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अगर मैंने फिल्म में बोल्ड सीन्स दिये तो इससे मेरे करियर पर बुरा असर पड़ेगा। यह भी हो सकता है कि मुझे आगे फिल्में न मिलें।'

### इस सुझाव पर क्या था एक्ट्रेस का जवाब?

बिपाशा बसु ने आगे अपनी बातचीत में बताया कि इन सुझावों को सुनने के बाद उन्होंने अपना तर्क रखा। एक्ट्रेस ने उन सभी लोगों से कहा, 'मैं एक व्यस्क हूं। यह फिल्म भी एक व्यस्क प्रेम कहानी पर आधारित है। यह बच्चों के लिए नहीं है।' बिपाश ने बताया कि फिल्म में सोनिया का किरदार ऐसा था जिसमें वह खुद को ढाल सकती थीं और यह फिल्म करने में उन्हें काफी मजा आया।

फिल्म 'जिस्म' बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी हिट साबित हुई। फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 8.14 करोड़ का कारोबार किया था। वहीं वर्ल्डवाइड इसने 13.14 करोड़ की कमाई की थी। उस समय नए अभिनेताओं की फिल्म का इतना कलेक्शन करना बड़ी बात थी।

फिल्म में बिपाशा ने सोनिया खन्ना और जॉन अब्राहम ने कबीर लाल का किरदार निभाया था। यह जॉन अब्राहम की डेब्यू फिल्म थी। फिल्म का निर्देशन अमित सक्सेना ने किया था। वहीं फिल्म की कहानी महेश भट्ट ने लिखी थी। फिल्म में गुलशन ग्रोवर ने सोनिया के पति रोहित खन्ना की भूमिका निभाई थी। फिल्म का निर्माण पूजा भट्ट और सुजीत कुमार सिंह ने किया था।

# गर्दन से जुड़ी इन समस्याओं को नजरअंदाज करना है नुकसानदायक, इन संकेतों को न करें नजरअंदाज

*गर्दन की समस्याएं आम हो गई हैं, खासकर उन लोगों में, जो लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल स्क्रीन के सामने बैठकर काम करते हैं। इन समस्याओं का सीधा असर रीढ़ की हड्डी पर पड़ता है, जिससे कई अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। आइए आज हम आपको गर्दन से जुड़ी उन समस्याओं के बारे में बताते हैं, जिनके बारे में आपको हर दिन कुछ संकेत मिलते हैं और इन्हें नजरअंदाज करना नुकसानदायक हो सकता है।*

### गर्दन में अकड़न या दर्द होना

अगर आपको गर्दन में अकड़न या दर्द महसूस होता है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह संकेत हो सकता है कि आपकी गर्दन की मांसपेशियां कमजोर हो रही हैं या फिर किसी चोट के कारण आपको यह समस्या हो रही है।

अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह रीढ़ की हड्डी को भी प्रभावित कर सकता है। नियमित खिंचाव और गर्दन की हल्की एक्सरसाइज करने से इस समस्या में सुधार हो सकता है।

### सिरदर्द होना

अगर आपको बार-बार सिरदर्द हो रहा है तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी गर्दन में कुछ गड़बड़ी है, खासकर कंप्यूटर या मोबाइल का अधिक उपयोग करने से यह समस्या बढ़ सकती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी स्क्रीन के सामने बैठने की मुद्रा सही रखें और हर 30 मिनट बाद आराम करें।

इसके अलावा सिरदर्द को कम करने के लिए पानी पिएं और आरामदायक कुर्सी पर बैठकर काम करें।

### हाथों में सुन्नपन या झनझनाहट होना

अगर आपको हाथों में सुन्नपन या झनझनाहट महसूस हो रही है तो यह भी एक महत्वपूर्ण संकेत हो सकता है कि आपकी गर्दन में दबाव बढ़ रहा है। यह समस्या अक्सर लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठने या सोते समय गलत मुद्रा अपनाने से हो सकती है।

इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है क्योंकि इससे हाथों की नसें दब सकती हैं, जिससे हाथों की संवेदनशीलता प्रभावित हो सकती है।

### नींद में परेशानी होना

अगर आपको सोते समय गर्दन में दर्द या अकड़न होती है तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी गर्दन में कुछ गड़बड़ी है। गलत तकिए का उपयोग या फिर सोते समय गलत मुद्रा अपनाने से यह समस्या बढ़ सकती है।

इसे नजरअंदाज न करें क्योंकि इससे आपकी नींद प्रभावित हो सकती है और आपको पूरे दिन थकान महसूस हो सकती है। सही तकिए का चयन और आरामदायक स्थिति में सोना इस समस्या का समाधान हो सकता है।

### गर्दन की गति में कमी आना

अगर आपको अपनी गर्दन घुमाने में कठिनाई हो रही हो तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी गर्दन कमजोर हो रही है। इस समस्या का मुख्य कारण मांसपेशियों का तनाव होना हो सकता है। इसे ठीक करने के लिए नियमित खिंचाव करना जरूरी है।

इन सभी संकेतों पर ध्यान देकर आप अपनी गर्दन की समस्याओं का समय रहते समाधान कर सकते हैं और अपनी रीढ़ की हड्डी को सुरक्षित रख सकते हैं।

# 'द रिवोल्यूशनरीज' के लिए प्रतिभा रांटा ने देखी श्रीदेवी की चालबाज

## बोलीं- उनकी टाइमिंग नहीं छू सकते

वेब सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' में प्रतिभा रांटा का किरदार सिर्फ गंभीर और जुझारू नहीं है। 17 साल की प्रतिभा लाहिड़ी (किरदार का नाम) का एक चुलबुला और मजाकिया अंदाज भी है, जो कहानी के साथ बदलता है। इस हिस्से को निभाने के लिए प्रतिभा को निखिल आडवाणी से एक ऐसी सलाह मिली.. जिसने उन्हें हिंदी सिनेमा की एक दिग्गज अभिनेत्री की याद दिला दी।

अपने किरदार से समानता पर प्रतिभा कहती हैं, 'मेरा किरदार भी बहुत प्रोग्रेसिव है। उसे भी हर जगह शामिल रहना है। मुझे भी हर चीज जाननी होती है, तो वो चीज मैं भी हूं असल जिंदगी में।'

वह बताती हैं, 'अगर ऐसा कोई गुण है, जो असल में मुझमें नहीं है, तो वो थोड़ा कॉमिक करना है। सीरीज के पहले दो एपिसोड में किरदार थोड़ा कॉमिक है और फिर धीरे-धीरे उसमें बदलाव आता है। वो उस वक्त 17 साल की है।'

### निखिल आडवाणी ने कहा 'चालबाज' देखो

किरदार के इस हिस्से के लिए निखिल आडवाणी ने प्रतिभा को श्रीदेवी की 'चालबाज' देखने की सलाह दी। वह कहती हैं, 'निखिल सर ने मुझे श्रीदेवी की फिल्म 'चालबाज' देखने को कहा। उनकी कॉमिक टाइमिंग को कोई छू नहीं सकता। मैंने वो फिल्म देखी और पूरी कोशिश की कि उस कॉमिक टाइमिंग को अपने किरदार में ला सकूं। लेकिन जाहिर है, श्रीदेवी ने जो किया है, उसे कोई पीछे नहीं छोड़ सकता। वो अविश्वसनीय है।'

अपनी जिंदगी में क्रांति के मायने बताते हुए प्रतिभा कहती हैं, 'मुझे लगता है क्रांति हमेशा आपके अंदर से शुरू होती है। अगर आप मेरी जिंदगी में पूछेंगे कि ऐसी कौन-सी क्रांति हो या ऐसी कौन-सी भावना हो, जहां पर मैंने अपने लिए स्टैंड लिया हो, तो वो मेरा करियर तय करना है। मेरी पसंद क्या है, वो मेरे हिसाब से होनी चाहिए। जो मुझे पसंद है, वो करने का अधिकार अपने पास रखना, यही मेरे लिए एक क्रांति है।'

## खास-खबर

### सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराने पर मनोज एक्का की समस्या का हुआ समाधान

**अम्बिकापुर।** शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के साथ-साथ नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए उपलब्ध कराई गई सीएम हेल्पलाइन आम लोगों के लिए प्रभावी माध्यम साबित हो रही है। ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों की छोटी-बड़ी समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण सुनिश्चित करने की दिशा में प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत मोहनपुर के रहने वाले मनोज एक्का की जॉब कार्ड से संबंधित समस्या का समाधान सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराने के बाद हुआ। मनोज एक्का ने बताया कि वे पहले ग्राम सोनपुर कला में निवास करते थे। बाद में वे मोहनपुर में घर-जमाई के रूप में रहने लगे। निवास स्थान बदलने के बाद मोहनपुर में उनका जॉब कार्ड नहीं बना था। इस वजह से उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार से जुड़ी प्रक्रिया में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

### पक्के आवास से बदली इंद्रासो की जिंदगी, अब बारिश में नहीं टपकता घर

**अम्बिकापुर।** प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण जरूरतमंद परिवारों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे और जर्जर मकानों में रहने वाले परिवारों को पक्के आवास का सहारा मिल रहा है। अम्बिकापुर विकासखंड की बकिरमा ग्राम पंचायत की रहने वाली इंद्रासो भी ऐसे ही हितग्राहियों में शामिल हैं, जिनके जीवन में पक्के आवास ने सकारात्मक बदलाव लाया है। इंद्रासो ने बताया कि पहले उनका परिवार मिट्टी के कच्चे मकान में रहता था। बारिश के दिनों में घर की छत से पानी टपकता था और मकान में टूट-फूट की समस्या बनी रहती थी। परिवार को मौसम की मार के बीच घर की सुरक्षा को लेकर चिंता रहती थी। कच्चे मकान में रहने के कारण रोजमर्रा की जिंदगी भी कठिनाइयों से भरी थी।

### खेती का तरीका बदला तो बढ़ा उत्पादन और मुनाफा

**रायगढ़।** कभी पारंपरिक तरीके से खेती कर सीमित लाभ प्राप्त करने वाले किसान राज कुमार साहू ने खेती में बदलाव और आधुनिक तकनीक अपनाकर बरबटी एवं खीरा की खेती से बेहतर उत्पादन प्राप्त किया। इससे उन्होंने 2.70 लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया। उनकी यह सफलता क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणादायक बन रही है। खरसिया विकासखंड के ग्राम बाम्हनपाली निवासी किसान राज कुमार साहू के पास 0.800 हेक्टेयर सिंचित भूमि है। पहले वे पारंपरिक तरीके से खेती करते थे, जिससे उन्हें लगभग 60 से 80 क्विंटल उत्पादन प्राप्त होता था।

# बस्तर की जनता जैसा विकास चाहेगी, वैसा ही होगाः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि बस्तर के विकास की दिशा वहां की जनता की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप ही तय होगी। बस्तर की जनता को किसी प्रकार के भ्रम में रहने की आवश्यकता नहीं है। सरकार क्षेत्र में कृषि, पर्यटन, पशुपालन सहित स्थानीय संभावनाओं के अनुरूप आजीविका और विकास के अवसरों को आगे बढ़ा रही है। बस्तर के लोग जैसा विकास चाहेंगे, सरकार उसी दिशा में आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री साय ने निजी समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में विभिन्न सवालों के जवाब देते हुए बस्तर के विकास, नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता और महिला सशक्तीकरण सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से अपनी बात रखी।

बस्तर से जुड़े एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि दशकों तक नक्सलवाद के कारण बस्तर विकास की मुख्यधारा से पीछे रहा। आज जब नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई निर्णायक मुकाम पर पहुंची है और क्षेत्र में शांति एवं विकास का नया वातावरण बना है, तब कुछ लोग बस्तर की जनता के बीच यह भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं कि नक्सलवाद को समाप्त करने के पीछे सरकार का उद्देश्य बड़े उद्योगों के लिए रास्ता तैयार करना है। मुख्यमंत्री ने इसे स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए कहा कि ऐसा बिल्कुल नहीं है। बस्तर का भविष्य वहां की जनता की आकांक्षाओं और इच्छाओं के अनुरूप ही तय होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जो लोग नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई में कभी साथ नहीं खड़े हुए अथवा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से उसका समर्थन करते रहे, वे अब नए नैरेटिव के माध्यम से लोगों में भ्रम पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। बस्तर की जनता जागरूक है और ऐसे भ्रामक प्रयासों को भली-भांति समझती है। हमारी सरकार का उद्देश्य बस्तर की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संभावनाओं को आगे बढ़ाते हुए वहां के लोगों के जीवन में समृद्धि लाना है। उन्होंने कहा कि बस्तर में कृषि को सशक्त करने, पशुपालन को बढ़ावा देने और पर्यटन की अपार संभावनाओं को अवसरों में बदलने की दिशा में सरकार निरंतर काम कर रही है। शांति स्थापित होने के साथ अब दूरस्थ क्षेत्रों तक विकास पहुंच रहा है और स्थानीय युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर तैयार हो रहे हैं। हमारा प्रयास है कि बस्तर अपनी विशिष्ट पहचान और समृद्ध संस्कृति को सहेजते हुए विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि एक भाई के नाते प्रदेश की बहनों की सेवा, सुरक्षा और उनके जीवन में खुशहाली लाना उनका संकल्प है।

#### बहनों का 'भैया' कहना मेरे लिए सबसे बड़ा सौभाग्य

साक्षात्कार के दौरान प्रदेश की बहनों द्वारा विष्णु भैया नाम से पुकारे जाने और बहनों के मुख्यमंत्री से आत्मीय जुड़ाव को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश की बहनें उन्हें 'भैया' कहकर पुकारती हैं और अपने परिवार का सदस्य मानती हैं। इससे बड़ा सौभाग्य उनके लिए और क्या हो सकता है? बहनों से मिलने वाला स्नेह और आशीर्वाद उन्हें जनसेवा के लिए निरंतर प्रेरित करता है।

# लोकधुनों और लोकनृत्यों से सजा 'लोकरंग पर्व', भरथरी गाथा ने बांधा समां

## तीन दिवसीय आयोजन में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकपरंपराओं का जीवंत प्रदर्शन, नई पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ने का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, लोकगायन और लोकनृत्य की विविध परंपराओं को संरक्षित करने और कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'लोकरंग पर्व' का रविवार को रायपुर स्थित मुक्ताकाशी मंच, महंत घासीदास संग्रहालय परिसर में भव्य शुभारंभ हुआ। 6 से 8 सितंबर तक चलने वाले इस आयोजन में प्रदेश की पारंपरिक लोकविधाओं की विविध रंगत देखने को मिल रही है।

कार्यक्रम के पहले दिन मुक्ताकाशी मंच पर छत्तीसगढ़ी लोकधुनों और पारंपरिक लोकगाथाओं ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक लोकसंस्कृति की जीवंत दुनिया से जुड़ते नजर आए। आयोजन की शुरुआत भरथरी गाथा की प्रस्तुति से हुई। इसके बाद कलाकारों ने पंडवानी, देवार गीत और भरथरी गाथा सहित विभिन्न लोकविधाओं की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। लोकरंग पर्व में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोकविधाओं से जुड़े कलाकारों को अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर दिया जा रहा है। आयोजन में भरथरी गाथा, देवार गीत, करमा नृत्य, सरहुल, लोरिक-चंदा, ददरिया, पंडवानी और पंथी जैसी विविध लोककलाओं की प्रस्तुतियां शामिल हैं। पहले दिन सुश्री दुर्गा साहू ने पंडवानी, पूनम तिवारी ने देवार गीत तथा अरुणिमा शर्मा ने भरथरी गाथा की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। कलाकारों की प्रस्तुतियों में छत्तीसगढ़ की लोकजीवन की संवेदना, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाई दी। लोकरंग पर्व के शुभारंभ अवसर पर संस्कृति एवं पुरातत्व संचालक डॉ. संजय कन्नौजे, उपसंचालक उमेश मिश्रा, छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कवि मीर अली मीर, बॉलीवुड अभिनेत्री श्वेता पड्डा , वरिष्ठ पत्रकार एवं छायाकार दीपेंद्र दीवान, साहित्यकार विजय मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कला-संस्कृति प्रेमी उपस्थित रहे। तीन दिवसीय लोकरंग पर्व 8 सितंबर तक चलेगा। आगामी दिनों में भी छत्तीसगढ़ की विभिन्न लोकविधाओं से जुड़े कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

#### स्थानीय कलाकारों को मंच देना आयोजन का प्रमुख उद्देश्य

कार्यक्रम के संचालक एवं संस्कृति एवं पुरातत्व संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि स्थानीय मंचों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोकविधाओं से जुड़े कलाकारों को प्रोत्साहन मिलता है और उन्हें अपनी कला के प्रदर्शन का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन प्रदेश की 'सुघर' संस्कृति, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने के साथ युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोककलाएं केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनमें प्रदेश के इतिहास, सामाजिक जीवन, लोकविश्वास और सामुदायिक परंपराओं की गहरी छाप दिखाई देती है। ऐसे आयोजनों के जरिए इन परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

# मुख्य न्यायाधीश का रायपुर आगमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति के. आर. महापात्र महोदय का दिनांक 06 सितंबर 2026 को रायपुर आगमन हुआ। रायपुर आगमन पर उनका आत्मीय एवं गरिमापूर्ण स्वागत किया गया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीशगण, रजिस्ट्रार जनरल, पी.पी.एस., प्रोटोकॉल ऑफिसर, प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज रायपुर एवं अन्य ज्यूडिशियल ऑफिसर प्रिंसिपल सेक्रेटरी (विधि), कलेक्टर रायपुर, कमिश्नर (राजस्व) तथा अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय का शपथ ग्रहण समारोह दिनांक 07 सितंबर 2026 (सोमवार) को दोपहर 1:30 बजे , लोकभवन का छत्तीसगढ़ मंडपम रायपुर में आयोजित किया जाएगा।

इसके उपरांत माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय के सम्मान में ओवेशन समारोह दिनांक 07 सितंबर 2026 को शाम 4:15 पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर स्थित माननीय मुख्य न्यायाधीश के कोर्ट रूम में आयोजित किया जाएगा।

# छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता की सुगबुगाहट तेजः दुर्ग संभाग से शुरू होगा जन-संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में राज्य सरकार ने अपनी तैयारियां तेज कर दी गई है। प्रदेश में इसके प्रारूप (ड्राफ्ट) तैयार करने के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति अब सीधे ज़मीन पर उतरकर सामाजिक और प्रशासनिक समन्वय साधने में जुट गई है। इसी रणनीति के तहत दुर्ग संभाग के सभी जिलों के प्रमुखों, प्रबुद्ध जनों और जनप्रतिनिधियों के साथ आगामी 8 और 9 सितंबर को एक वृहद समूह चर्चा और परिचयात्मक बैठक आयोजित करने जा रही है।

ज्ञात हो कि समान नागरिक संहिता के दूरगामी प्रभावों और प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए यह संवाद प्रक्रिया शुरू की जा रही है। दो दिनों तक चलने वाले इस मंथन में दुर्ग संभाग के अलग-अलग जिलों को केंद्रित करते हुए बैठकें होंगी। आगामी 8 सितंबर को दुर्ग में दोपहर 12 बजे से आयोजित इस बैठक में दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिले के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसी तरह 9 सितंबर को राजनांदगांव में दोपहर 12 बजे से होने वाली बैठक में राजनांदगांव, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले का प्रतिनिधित्व रहेगा।

**हर वर्ग की आवाज़ को ड्राफ्ट में मिलेगी जगहः** कानून का खाका तैयार करने में समाज के हर तबके की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए समिति ने एक व्यापक रूपरेखा तैयार की है। इन बैठकों में राजनीतिक दलों, सामाजिक व धार्मिक संगठनों, शिक्षाविदों, पद्म श्री सम्मान से अलंकृत हस्तियों, निगम-मंडल व आयोगों के प्रतिनिधियों तथा प्रतिष्ठित व विशिष्ट नागरिकों को खासतौर पर आमंत्रित किया गया है। इस कवायद का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा समावेशी ड्राफ्ट तैयार करना है।

# उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा कवर्धा में आयोजित दही हांडी उत्सव में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा शनिवार को कवर्धा शहर के गांधी मैदान तथा भारत माता चौक में आयोजित दही हांडी उत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा रानी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने परंपरा अनुसार सभी ग्वाला भाइयों का तिलक लगाकर स्वागत किया और उन्हें दही हांडी उत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। यादव समाज के प्रतिनिधियों ने उन्हें पारंपरिक सम्मान स्वरूप खुमरी पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सभापति रामकुमार भट्ट, नितेश अग्रवाल सहित समस्त पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, शहरवासी और यादव समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने समस्त शहरवासियों एवं प्रदेशवासियों को कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने मंच से ही सभी उपस्थित जनों के साथ हाथी-घोड़ा-पालकी, जय कन्हैयालाल की का जयघोष कर उत्सव का उल्लास और भी बढ़ा दिया।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि गोविंदा उत्सव कवर्धा की गौरवशाली परंपरा है, जो समाज में एकता, भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने आगे कहा कि भगवान कृष्ण का जीवन हम सभी को धर्म, कर्म और कर्तव्य के प्रति प्रेरित करता है।

कृष्ण लीला हमें यह संदेश देती है कि अन्याय और अधर्म पर सदैव धर्म की विजय होती है। शर्मा ने सभी युवाओं से आह्वान किया कि वे भगवान कृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और समाज की सेवा में सक्रिय भूमिका निभाएं। दही हांडी उत्सव के दौरान हजारों की संख्या में शहरवासी, समाजजन और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पूरा शहर कृष्ण भक्ति और जयघोष से गुंजायमान रहा।

### रिसाली दशहरा मैदान में भाजपा का वृहद तीज महोत्सव

# संस्कृति और महिला सशक्तिकरण का दिखा संगम

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रिसाली।** भारतीय जनता पार्टी के रिसाली एवं मरोदा-पुरैना मंडल के संयुक्त तत्वावधान में रिसाली दशहरा मैदान में वृहद तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग सांसद विजय बघेल, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और भाजपा दुर्ग जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, महिला मोर्चा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। आयोजन में छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परंपरा, संस्कार और महिला सशक्तिकरण का सुंदर संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान, छत्तीसगढ़ राज्यगीत 'अरपा पैरी के धार' के गायन तथा भारत माता के तैलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। पूरे दशहरा मैदान को हरियाली तीज के पारंपरिक श्रृंगार, मेंहदी, झूले और लोकगीतों से सजाया गया था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में माताओं-बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। महोत्सव के दौरान छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य, सुआ, करमा, रैंप वॉक सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। पारंपरिक वेशभूषा में महिलाओं द्वारा किए गए रैंप वॉक ने खूब तालियां बटोरीं। वहीं फुगड़ी प्रतियोगिता तथा ठेठरी, खुरमी, चीला और अनरसा जैसे पारंपरिक व्यंजनों की प्रतियोगिता में भी महिलाओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष डॉ. विभा अवस्थी ने कहा कि भाजपा में महिलाओं को सम्मान के साथ नेतृत्व का अवसर दिया जाता है। तीज त्याग, एकता और उल्लास का पर्व है। रैंप वॉक सहित विभिन्न गतिविधियों में महिलाओं के आत्मविश्वास ने यह साबित किया कि छत्तीसगढ़ की नारी आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। उन्होंने रिसाली और मरोदा-पुरैना मंडल महिला मोर्चा को भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि आयोजन में उमड़ा जनसैलाब दुर्ग जिले में भाजपा की मजबूती और मातृशक्ति के पार्टी के प्रति विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर से लेकर मंडल स्तर तक कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने के लिए मेहनत की। उन्होंने दोनों मंडलों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को सफल आयोजन के लिए साधुवाद दिया। जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर ने आयोजन में शामिल सभी माताओं-बहनों का स्वागत करते हुए कहा कि रैंप वॉक, फुगड़ी और पारंपरिक व्यंजन प्रतियोगिता में महिलाओं की भागीदारी उत्साहजनक रही।

#### तीज हमारी संस्कृति और नारी शक्ति की पहचान : विजय बघेल

दुर्ग सांसद विजय बघेल ने कहा कि तीज केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति में पति-पत्नी के अटूट प्रेम, विश्वास और भारतीय नारी के त्याग की गौरवशाली परंपरा है। माता पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए कठोर तप किया था और वही शक्ति आज हमारी माताओं-बहनों में दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार ने महिलाओं के सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए अनेक योजनाएं संचालित की हैं।

#### आयोजन ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति को जीवंत किया : ललित चंद्राकर

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि वे दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र, मरोदा-पुरैना और रिसाली की समस्त मातृशक्ति को नमन करते हैं। महिलाओं ने जिस उत्साह और उल्लास के साथ आयोजन में भाग लिया, उससे छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति जीवंत हो उठी। उन्होंने कहा कि यह तीज महोत्सव केवल मनोरंजन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को अपनी संस्कृति और जड़ों से जोड़ने का अभियान है। उन्होंने माताओं-बहनों को विश्वास दिलाया कि दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में वे सदैव उनके साथ खड़े रहेंगे।

### लोक अदालत 12 सितम्बर को, विद्युत बकाया के 101 प्रकरणों का होगा निराकरण

**एमसीबी।** लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं सुलहपूर्ण निराकरण के लिए आगामी 12 सितम्बर को सभी राजस्व न्यायालयों में लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इस संबंध में आज मनेंद्रगढ़ में आयोजित बैठक में आवश्यक निर्णय लिया गया। विभिन्न लंबित प्रकरणों के निराकरण के साथ विद्युत बकाया से जुड़े मामलों में भी संबंधित उपभोक्ताओं को समझौते एवं राजीनामे के आधार पर प्रकरण समाप्त कराने का अवसर मिलेगा। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के मनेन्द्रगढ़ संभाग द्वारा विद्युत बकाया राशि की वसूली एवं लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से कुल 101 विद्युत बकाया प्रकरण लोक अदालत में प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

## खास खबर

### 70 करोड़ की निवेश ठगी का खुलासा, 500 लोगों से पैसे लेकर फरार

**कांकेर।** कांकेर जिले के अंतागढ़ थाना क्षेत्र में महालक्ष्मी इंटरप्राइजेज कंपनी में पैसा निवेश करने पर अधिक मुनाफा देने का झांसा देकर लगभग 500 लोगों से करीब 70 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में अंतागढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में थाना अंतागढ़ में धारा 420, 120(बी), 112, 34 भादवि के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया गया। साइबर सेल कांकेर एवं थाना अंतागढ़ पुलिस द्वारा आरोपियों की तलाश एवं मोबाइल नंबर के आधार पर लगातार कार्रवाई की गई। आरोपी दयाशंकर साहू को ग्राम ढेलका, साजा, जिला बेमेतरा तथा आरोपी नितिन निर्मलकर को रायपुर से पकड़ा गया। पूछताछ एवं जांच के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

### सर्पदंश से 12 वर्षीय छात्र की मौत, समय पर नहीं पहुंची 108 एंबुलेंस

**कोरबा।** कोरबा जिले में सर्पदंश से एक 12 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान गोढ़ी देहांतपारा निवासी रामकृष्ण मंझवार उम्र 12 वर्ष के रूप में हुई है, मृतक के पिता ने बताया कि उनका बेटा रामकृष्ण रात में अपने बिस्तर पर सो रहा था। तभी अचानक उसके गले में कुछ काटने जैसा महसूस हुआ। चीख-पुकार सुनकर परिजन जाग गए और बिस्तर के आसपास सांप को ढूंढ निकाला, जो करैत सांप था। गुस्साए परिजनों ने सांप को मार दिया। परिजनों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को फोन किया, लेकिन एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची। मजबूरन पिता बाइक से बेटे को लेकर अस्पताल के लिए निकल पड़ा। रास्ते में 108 एंबुलेंस मिली, जिसमें शिफ्ट कर उसे जिला मेडिकल कॉलेज कोरबा ले जाया गया। अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया, लेकिन रविवार को उपचार के दौरान छात्र की मौत हो गई। मेमो के आधार पर पुलिस ने परिजनों का बयान दर्ज किया और शव का पोस्टमार्टम कराया।

### मरवाही में युवक पर जानलेवा हमला, मृत समझकर छोड़ गए आरोपी

**एमसीबी।** गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही थाना क्षेत्र की सिवनी चौकी अंतर्गत ग्राम मड़वाही में एक युवक के साथ मारपीट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हमले के बाद हमलावर उसे मृत समझकर मौके से फरार हो गए। इसके बाद गोविंद काफी देर तक तालाब के पास घायल अवस्था में पड़ा रहा। देर रात स्थानीय लोगों की नजर उस पर पड़ी, जिसके बाद परिजनों को इसकी सूचना दी गई। मरवाही पुलिस ने परिजनों की शिकायत और पीड़ित के बयान के आधार पर अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस अब घटनास्थल, संबंधित लोगों और पीड़ित के बयान के आधार पर हमले में शामिल आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 और 115(2) के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

# म्यूल खाता मामले में 2 फरार आरोपी अरेस्ट: साइबर ठगों को 15 हजार रुपए के लालच में दिया बैंक खाता

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** दुर्ग पुलिस ने म्यूल खाते के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे। सुपेला थाना पुलिस और एसीसीयू की टीम ने कार्रवाई करते हुए यशपाल सिंह उर्फ लक्की पाजी (38), निवासी रामनगर और हेमंत दास दखानी (50), निवासी सिंधी कॉलोनी रायपुर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, सिम कार्ड, मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

पुलिस के मुताबिक, साइबर ठगी की रकम के लेन-देन और उसे एक खाते से दूसरे खाते में ट्रांसफर करने के लिए इस्तेमाल किए गए बैंक खातों की जांच की गई। बैंक खातों के लेन-देन और तकनीकी साक्ष्यों की जांच के

दौरान दोनों आरोपियों की भूमिका सामने आई। आरोपियों की भूमिका सामने आने के बाद पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। इसी दौरान सुपेला थाना और एसीसीयू की टीम ने कार्रवाई करते हुए 6 सितंबर को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से बैंकिंग और अन्य संबंधित दस्तावेज भी जब्त किए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने बैंक खाते के साथ पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और सिम कार्ड भी दूसरे लोगों को उपलब्ध कराए थे। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कमीशन या अन्य फायदे के लालच में अपने और अन्य लोगों के बैंक खातों से जुड़ी सामग्री दी थी। इसके बदले आरोपियों को 2 हजार से 15 हजार रुपए तक कमीशन या अन्य फायदा मिलता था। जांच में इन बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम के लेन-देन में किए जाने की पुष्टि हुई है।

# कैशियर ने उड़ाए हाइटेक अस्पताल के 32 लाख कुछ गर्लफ्रेंड पर उड़ाए कुछ खर्च कर दिए, गया जेल

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** भिलाई के एक प्राइवेट अस्पताल में रोजाना जमा होने वाली नकद रकम का हिसाब रखने वाला कैशियर ही करीब 32 लाख रुपए के गबन का आरोपी निकला। आरोपी रकम अपने पास रखने के बाद अस्पताल के अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं लगने देता था। बैंक में रकम जमा करने की जानकारी देने के लिए वह फर्जी ई-मेल भेजकर अधिकारियों को भरोसे में लेता रहा।

करीब 6 साल से अस्पताल में काम कर रहे कैशियर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला सुपेला थाना क्षेत्र की स्मृति नगर चौकी का है। हाईटेक अस्पताल, भिलाई के संचालक मनोज अग्रवाल ने पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में अस्पताल में कैशियर के पद पर काम करने वाले जसविंदर सिंह (46) पर अस्पताल की रकम बैंक में जमा नहीं करने और गबन करने का आरोप लगाया गया था।

### बैंक में जमा करने की जानकारी भी देता रहा

पुलिस के अनुसार, आरोपी जसविंदर के जिम्मे अस्पताल की नकद रकम बैंक में जमा करने का काम था। लेकिन वह रकम बैंक में जमा करने के बजाय अपने पास रखता रहा। जब अधिकारियों की ओर से रकम जमा होने का हिसाब मांगा जाता, तो वह ई-मेल के जरिए रकम बैंक में जमा होने की गलत जानकारी भेज देता था।

पुलिस जांच के दौरान अस्पताल के दस्तावेज, पैसों के लेन-देन और अन्य रिकॉर्ड खंगाले गए। जांच के दौरान यह बात भी सामने आई है कि आरोपी ने कुछ रकम ब्याज पर चला दी थी जबकि शेष रकम में से कुछ अपने भाई को दिया था। शेष रकम उसने अपनी गर्लफ्रेंड पर खर्च किया था। वह महंगे मोबाइलों का शौकीन था जिसपर भी अच्छी खासी रकम खर्च करता था। करीब 32 लाख रुपए की गड़बड़ी सामने आई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी जसविंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

### 6 साल की नौकरी के दौरान किया गबन

जसविंदर सिंह पिछले करीब 6 साल से अस्पताल में कैशियर के पद पर काम कर रहा था। उसे अस्पताल की नकद रकम संभालने और बैंक में जमा करने की जिम्मेदारी मिली हुई थी। पुलिस जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आरोप है कि उसने अपने पद और भरोसे का फायदा उठाकर अस्पताल की रकम अपने पास रख ली।

मामले में स्मृति नगर चौकी में अपराध दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की और रकम के इस्तेमाल से जुड़े साक्ष्य जुटाए।

### गबन की रकम से खरीदा डेढ़ लाख का मोबाइल

जांच के दौरान पुलिस को गबन की रकम के इस्तेमाल से जुड़ी जानकारी मिली। पुलिस ने आरोपी के पास से सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन जब्त किया है। इसकी कीमत करीब 1.50 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने यह मोबाइल गबन की रकम से खरीदा था।

पुलिस ने आरोपी जसविंदर सिंह को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले में पुलिस की जांच अभी जारी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि करीब 32 लाख रुपए की रकम कब-कब और किस तरह इस्तेमाल की गई। इसके साथ ही गबन की पूरी रकम और उससे जुड़े अन्य लेन-देन की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

# तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलटी 22 साल की युवती की मौत, तीन साथी घायल

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** रायपुर के सेरीखेड़ी मोड़ पर रविवार को तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद कार सड़क पर पलट गई। हादसे में कार सवार 22 साल की युवती की मौत हो गई, जबकि उसके साथ मौजूद तीन अन्य लोग घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। मृतका की पहचान शिवानी सिंह ठाकुर के रूप में हुई है। वह जशपुर के बाजारपारा की रहने वाली थी। हादसा मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में हुआ। पुलिस के मुताबिक शिवानी अपने साथियों के साथ बेलनो कार से नया रायपुर की ओर से सेरीखेड़ी की तरफजा रही थी। इसी दौरान सेरीखेड़ी मोड़ के पास कार अचानक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार पलट गई।

हादसे में शिवानी के सिर के पास गंभीर चोट आई थी। कार में सवार अनंत सोनकर (रामबाग, धमतरी), प्रखर सोनकर (पुरानी बस्ती, रायपुर) और सेजल सोनकर भी घायल हुए हैं।

आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मंदिर हसौद पुलिस ने घायलों को तत्काल मेकाहारा अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद शिवानी सिंह ठाकुर को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का उपचार जारी है।

पुलिस ने हादसे की जानकारी जुटाते हुए दुर्घटनाग्रस्त कार को अपने कब्जे में लिया है। प्रारंभिक जानकारी में कार के अनियंत्रित होने की बात सामने आई है। पुलिस हादसे के कारणों और कार की रफ्तार से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है।

# बच्चों को धमकाकर घर से करवाते थे जेवर चोरी, आरोपी पति-पत्नी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** रायपुर के गुढ़ियारी इलाके में नाबालिग बच्चों को बहला-फुसलाकर अपने झांसे में लेने के बाद डराने-धमकाने और ब्लैकमेल कर सोने-चांदी के जेवर और नकदी की उगाही करने वाले पति-पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वंदना साहू और उसके पति दीपक साहू बच्चों को घर से चोरी करके जेवर और पैसे लाने के लिए मजबूर करते थे। मामले में 11 साल की बच्ची से उसकी नानी का रानीहार, सोने की चेन और कान के झुमके भी मंगवाए गए थे। शिकायत के बाद गुढ़ियारी पुलिस ने जांच कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से सोने के कान के टॉप्स और चेन बरामद की है। गुढ़ियारी निवासी सोनम साहू ने 4 सितंबर को थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनकी 11 वर्षीय भांजी के पास घर में रखे सोने के झुमके और चेन थे। आरोप है कि वंदना साहू ने बच्ची को डराया-धमकाया और दबाव बनाकर ये आभूषण अपने पास मंगवा लिए। इसी दौरान परिवार को इसकी जानकारी हो गई, जिसके बाद पूरा मामला सामने आया।

शिकायत के बाद पुलिस ने वंदना साहू और दीपक साहू के खिलाफ गुढ़ियारी थाने में अपराध दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। वंदना साहू के पति दीपक साहू पर भी बच्चों को चोरी करने का तरीका बताने और इस गतिविधि में सहयोग करने का आरोप है। इसके बाद गुढ़ियारी पुलिस ने बच्ची, उसके परिजनों और अन्य लोगों से पूछताछ की। पुलिस टीम ने आरोपियों के संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी और दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने घटना में शामिल होना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से उगाही किए गए सोने के कान के टॉप्स और चेन बरामद की है। दोनों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

# पत्नी से संबंध के शक में 40 लोगों के सामने किया युवक पर चापड़ से हमला, आरोपी हिरासत में

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी इलाके में जन्माष्टमी कार्यक्रम के दौरान एक युवक पर चापड़ से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। घटना के वक्त मौके पर करीब 40 लोग मौजूद थे। आरोपी ने पीछे से आकर युवक के सिर पर चापड़ से तीन बार वार किए।

हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सेवाराम साहू को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में सामने आया है कि उसने पत्नी से अवैध संबंध के शक में हमला किया था। मामला गुढ़ियारी थाना क्षेत्र का है।

गुढ़ियारी पुलिस के अनुसार घटना 5 सितंबर की रात करीब 10:30 बजे की है। रानी वर्मा ने गुढ़ियारी थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई, उसने पुलिस को बताया कि वह अपने घर के सामने जन्माष्टमी का कार्यक्रम देख रही थी। तभी जेठ उमेन्द्र सिंह वर्मा घर के बाहर खड़ी बाइक को अंदर करने के लिए बाहर निकले।

इसी दौरान विकास नगर निवासी सेवाराम साहू अचानक पीछे से आया। किसी बात को लेकर उसने उमेन्द्र सिंह पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। आरोपी ने कथित तौर पर हत्या की नीयत से उनके सिर के पीछे चापड़ से लगातार तीन वार किए। हमले में उमेन्द्र गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

### पत्नी से संबंध होने का था शक

वारदात के बाद गुढ़ियारी पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम ने उसके संभावित ठिकानों पर दबिश देकर सेवाराम साहू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसे शक था कि उमेन्द्र सिंह वर्मा के उसकी पत्नी से अवैध संबंध हैं।

इसी शक के चलते उसने उमेन्द्र पर हमला करने की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चापड़ जब्त कर लिया है। आरोपी के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

# ड्राई डे पर आबकारी विभाग का एक्शन, मध्यप्रदेश की महंगी शराब समेत 14.86 लीटर से ज्यादा अवैध शराब किया जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर शुष्क दिवस के दौरान अवैध शराब की बिक्री और परिवहन रोकने के लिए आबकारी विभाग ने जिले में कार्रवाई की। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में अलग-अलग जगहों से अवैध शराब बरामद की गई और 3 मामले दर्ज किए गए। कार्रवाई के दौरान एक कार भी जब्त की गई।

पहली कार्रवाई पाजी द पिंड ढाबा में की गई। यहां ईशु पाल भसीन के कब्जे से होंडा कार में रखी अलग-अलग ब्रांड की 8 बोतल विदेशी शराब मिली। शराब की कुल मात्रा 6 लीटर थी, जिसकी कीमत करीब 15,856 रुपए आंकी गई है। शराब ले जाने

में इस्तेमाल कार की कीमत करीब 6.50 लाख रुपए बताई गई है। आबकारी विभाग ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की गैर-जमानती धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

### खम्हारडीह में देशी शराब और बीयर मिली

दूसरी कार्रवाई थाना खम्हारडीह क्षेत्र में की गई। यहां राजू मलिक के कब्जे से 21 पाव देशी मदिरा मसाला और 2 बोतल बीयर बरामद की गई। जब्त मदिरा की कुल मात्रा 5.08 बल्क लीटर और कीमत 2,580 रुपए बताई गई है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई की गई। तीसरी कार्रवाई ग्राम सोनबेरी, थाना मंदिर हसौद क्षेत्र में की गई। यहां राहुल जांगड़े के कब्जे से 21 पाव रोमियो मसाला बरामद हुआ। इसकी कुल मात्रा 3.78 बल्क लीटर और कीमत 2,100 रुपए आंकी गई। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(ख) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

आबकारी विभाग के अनुसार शुष्क दिवस के दौरान जिले में अवैध मदिरा के परिवहन, भंडारण और बिक्री पर निगरानी बढ़ाई गई है। विभाग की टीमों द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में जांच और कार्रवाई जारी है।

# एमपी के कत्लखाने ले जाए जा रहे 15 मवेशी पकड़े, 2 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** दुर्ग के धमधा पुलिस ने मवेशियों के अवैध परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 15 मवेशियों से भरा आइसर वाहन पकड़ा है। वाहन में 3 पड़वा और 12 भैंस को बिना पर्याप्त चारा-पानी के कम जगह में ठूंस-ठूंसकर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने वाहन चालक समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने मवेशियों को नंदिनी क्षेत्र से मध्य प्रदेश के सागर स्थित कत्लखाने ले जाने की बात स्वीकार की है।

पुलिस के मुताबिक, 5 सितंबर को मुखबिर और गौसेवक के माध्यम से सूचना मिली थी कि एक आइसर वाहन में मवेशियों को क्रूरता से भरकर धमधा की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही धमधा पुलिस ने बस स्टैंड के पास साहू होटल के सामने घेराबंदी की। कुछ देर बाद आइसर वाहन मौके पर पहुंचा। पुलिस और गौसेवकों ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने वाहन को आगे ले जाने की कोशिश की।

### तिरपाल हटाकर जांच की तो मिले 15 मवेशी

पुलिस टीम ने घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। वाहन की जांच करने पर पीछे बने डाले को हरे रंग की तिरपाल से ढका हुआ पाया गया। तिरपाल हटाकर जांच की गई तो अंदर 3 पड़वा और 12 काले रंग की भैंस समेत कुल 15 मवेशी मिले। पुलिस के अनुसार, मवेशियों को पर्याप्त चारा-पानी दिए बिना कम जगह में ठूंस-ठूंसकर ले जाया जा रहा था। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

### नंदिनी से सागर ले जाने की बात कही

पूछताछ में वाहन चालक शिवशंकर (35) और उसके साथी परविंद कुमार (42) ने पुलिस को बताया कि वे मवेशियों को नंदिनी क्षेत्र से मध्यप्रदेश के सागर स्थित कत्लखाने ले जा रहे थे। दोनों आरोपी ग्राम खेरिया सिकमी गोहाना, थाना फरिहा, जिला फिरोजाबाद, उत्तरप्रदेश के रहने वाले हैं।

मामले में धमधा थाने में छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों को 5 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस ने मवेशियों के परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे आइसर वाहन को भी जब्त किया है। वाहन की अनुमानित कीमत 21 लाख 90 हजार रुपए बताई गई है। बरामद सभी मवेशियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया है। उनके सुरक्षित रख-रखाव के लिए आवश्यक कार्रवाई करते हुए उन्हें पशु चिकित्सालय, धमधा भेजा गया है।

पुलिस के अनुसार, मवेशियों को उपलब्ध कराने और उनके परिवहन से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पूछताछ के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### रायपुर में डकैती की योजना बना रहे 5 आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में ज्वेलर्स शॉप को निशाना बनाने से पहले ही पुलिस ने डकैती की योजना को नाकाम कर दिया। पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने डकैती की योजना बनाने की बात कबूल की है। तलाशी के दौरान पुलिस को 2 बटनदार चाकू, एक बड़ा स्टील चाकू, 2 कैंची और एक स्टील पाइप मिला। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान खम्हारडीह के महेश धीवर, नितिन उर्फसोनू बैस, खेमलाल सेन, लक्ष्मण साहू और पीयूष कुमार साहू के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी कचना इलाके के आसपास किसी ज्वेलर्स शॉप में डकैती डालने की तैयारी कर रहे थे। आरोपियों के कब्जे से धारदार हथियार, 4 मोबाइल फोन और 2 वाहन बरामद किए हैं। मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है।

## बहतराई स्टेडियम में गूंजा तीज तिहार का उल्लास

# तीजा में मातृशक्ति के प्रेम, आस्था और परिवार की खुशहाली की कामना समाहित : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

**बिलासपुर।** तीजा तिहार के उल्लास के बीच बिलासपुर का बहतराई स्टेडियम छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपराओं के रंग में सराबोर नजर आया। पारंपरिक वेशभूषा में बड़ी संख्या में पहुंचीं माताओं-बहनों के बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तीजा तिहार की खुशियां साझा कीं और उन्हें पर्व की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने भगवान शिव और माता पार्वती से प्रदेश की सभी बहनों के सुखी, समृद्ध और खुशहाल जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि तीजा हमारी समृद्ध लोकसंस्कृति का पावन पर्व है, जिसमें हमारी माताओं-बहनों का प्रेम, आस्था और परिवार की खुशहाली की कामना समाहित है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराओं में तीजा का विशेष स्थान है। इस पर्व पर विवाहित बेटियों के मायके आने और परिवार के साथ पर्व मनाने की हमारी परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। हमारी माताएं और बहनें भगवान शिव एवं माता पार्वती की आराधना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करती हैं। ऐसे पर्व हमारी परंपराओं को जीवंत रखने के साथ परिवार और समाज के आत्मीय रिश्तों को भी मजबूत बनाते हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, सुशांत शुक्ला, भावना बोहरा सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में माताएं-बहनें उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में नारी शक्ति को सदैव सम्मान का सर्वोच्च स्थान मिला है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा, वन संपदा और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध प्रदेश है तथा यहां विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। सरकार का प्रयास है कि इन संभावनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे और विकास की सुविधाएं गांव तथा लोगों के घर के नजदीक उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का हमारा संकल्प है। इस संकल्प को पूरा करने में प्रदेश की मातृशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जब हमारी बहनें शिक्षित, सुरक्षित, स्वस्थ, आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर होंगी, तभी परिवार मजबूत होंगे और प्रदेश भी तेजी से आगे बढ़ेगा।

### हमारी संस्कृति को सहेजता है तीजा : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि तीजा छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह माताओं और बहनों की आस्था, प्रेम और पारिवारिक समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कमल सखी परिवार द्वारा आयोजित तीजा मिलन समारोह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति और परंपराओं को सहेजने के साथ समाज में आत्मीयता और आपसी जुड़ाव को मजबूत करते हैं।

### छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति का प्रतीक है तीजा पर्व : लक्ष्मी राजवाड़े

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि तीजा तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और आस्था का प्रतीक है। यह पर्व महिलाओं के जीवन में विशेष महत्व रखता है। राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सशक्तीकरण और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि तीजा जैसे पारंपरिक पर्व हमारी संस्कृति और सामाजिक एकता को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का संदेश देते हैं।

### मातृशक्ति का सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। घर-घर शौचालय निर्माण से महिलाओं की गरिमा और सुविधा सुनिश्चित हुई है। राशन कार्ड महिलाओं के नाम पर बनाए गए हैं। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना के माध्यम से 68 लाख से अधिक माताओं-बहनों को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। अब तक योजना की 31 किश्तों का भुगतान किया जा चुका है। यह आर्थिक सहायता बहनों को अपनी छोटी-बड़ी आवश्यकताओं के लिए आत्मनिर्भर बनाने के साथ परिवार में उनकी भूमिका को और मजबूत कर रही है।

### चोरहादेवरी गांव का नाम होगा 'रामदेवरी', बेलतरा महोत्सव के लिए मिलेंगे 30 लाख रुपए

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर क्षेत्रवासियों को कई महत्वपूर्ण सौगातें भी दीं। उन्होंने बिल्हा विकासखंड के चोरहादेवरी गांव का नाम बदलकर 'रामदेवरी' किए जाने की घोषणा की। साथ ही माघी पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले बेलतरा महोत्सव के लिए 30 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री की इन घोषणाओं का उपस्थित जनसमुदाय ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। चोरहादेवरी गांव छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के बिल्हा विकासखंड में स्थित एक गांव है। नाम के कारण लोग हंसी उड़ाया करते थे।

### छत्तीसगढ़ की 13.85 लाख महिलाएं बनी लखपति दीदी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की महिलाएं केवल शासकीय योजनाओं की लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि प्रदेश की विकास यात्रा की सक्रिय भागीदार बनकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। राज्य में 13 लाख 85 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। स्व-सहायता समूहों से जुड़कर हमारी बहनें विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार बन रही हैं।

उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ हमारी बहनें आधुनिक तकनीक को अपनाकर भी आगे बढ़ रही हैं। ड्रोन दीदियां आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए स्वरोजगार से जुड़कर प्रतिदिन 6 से 7 हजार रुपए तक की आय अर्जित कर रही हैं।

कहीं महिलाएं सेंटरिंग प्लेट के व्यवसाय से जुड़ी हैं तो कहीं ई-रिक्शा चलाकर आत्मनिर्भर बन रही हैं। बस्तर से लेकर बिलासपुर तक हमारी माताएं-बहनें अपनी मेहनत, कौशल और आत्मविश्वास से सफलता की नई कहानियां लिख रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को उद्यमिता और उद्योगों से जोड़ने के लिए भी विशेष प्रोत्साहन दे रही है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश की हर बहन को अपनी क्षमता और हुनर के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिले और वह आत्मनिर्भर होकर अपने परिवार तथा प्रदेश की समृद्धि में सहभागी बने।

## खास खबर

### वित्त मंत्री ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को शानदार जीत पर दी बधाई

**रायपुर।** वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने महिला एशिया कप 2026 में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज करने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की यह जीत केवल एक मैच की जीत नहीं, बल्कि हमारी बेटियों की मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की जीत है। टीम ने शानदार खेल भावना और बेहतरीन प्रदर्शन के साथ देशवासियों को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का लगातार शानदार प्रदर्शन देश की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है। खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण यह संदेश देता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि टीम आगे भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का मान बढ़ाएगी।

### 12 को सभी राजस्व न्यायालयों में लगेगी लोक अदालत

**एमसीबी।** लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं सुलहपूर्ण निराकरण के लिए आगामी 12 सितम्बर को सभी राजस्व न्यायालयों में लोक अदालत आयोजित की जाएगी। लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न लंबित प्रकरणों के निराकरण के साथ विद्युत बकाया से जुड़े मामलों में भी संबंधित उपभोक्ताओं को समझौते एवं राजीनामे के आधार पर प्रकरण समाप्त कराने का अवसर मिलेगा। सीएसपीडीसीएल के मनेन्द्रगढ़ संभाग द्वारा विद्युत बकाया राशि की वसूली एवं लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से कुल 101 विद्युत बकाया प्रकरण लोक अदालत में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इन प्रकरणों में लगभग 29.07 लाख रुपये की बकाया राशि शामिल है।

# शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा नहीं कराते बल्कि एक पूरी पीढ़ी के चरित्र का निर्माण भी करते हैं : रामविचार नेताम

श्रीकंचनपथ समाचार

**बलरामपुर।** आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि राष्ट्र के भविष्य निर्माण में गुरुजनों का योगदान अमूल्य है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि एक पूरी पीढ़ी के चरित्र और सोच का निर्माता होता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशानुरूप बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रयास विद्यालय तथा नर्सिंग महाविद्यालय की स्थापना की जा रही है। शिक्षक ही समाज और राष्ट्र की भावी पीढ़ी के सच्चे निर्माता होते हैं, जो ज्ञान, संस्कार और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों के जीवन को आकार देते हैं। मंत्री श्री नेताम ने इस आशय के विचार शिक्षक दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय बलरामपुर-रामानुजगंज जिला मुख्यालय स्थित ऑडिटोरियम भवन में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह व्यक्त किए।

उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक केवल किताबी ज्ञान नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, अनुशासन और अच्छे संस्कार भी विकसित करते हैं । वे बच्चों में स्वतंत्र सोच, रचनात्मकता और कुछ नया सीखने की जिज्ञासा को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माण की धुरी बताते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन इस प्रकार करने का आह्वान किया कि वे समाज के लिए मिसाल बन सकें।

### 21 उत्कृष्ट शिक्षकों का हुआ सम्मान

समारोह में जिले के 21 उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया। ज्ञानदीप पुरस्कार से श्री श्याम सुंदर चौरगे (शिक्षक, शासकीय माध्यमिक शाला कोरवापारा, राजपुर), श्रीमती नीलीमा एक्का (शिक्षिका, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला डौरा), श्री जवाहर लाल पैकरा (प्रधान पाठक, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चिरई, शंकरगढ़) को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार शिक्षादूत पुरस्कार जिले के विभिन्न विकासखंडों के 18 शिक्षकों को उत्कृष्ट शैक्षणिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पा नेताम, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष बबली देवी, नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप सोनी, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी उपस्थित थे।

# लोकरंग से नई पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ने का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, लोकगायन और लोकनृत्य की विविध परंपराओं को संरक्षित करने और कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'लोकरंग पर्व' का रविवार को रायपुर स्थित मुक्ताकाशी मंच, महंत घासीदास संग्रहालय परिसर में भव्य शुभारंभ हुआ। 6 से 8 सितंबर तक चलने वाले इस आयोजन में प्रदेश की पारंपरिक लोकविधाओं की विविध रंगत देखने को मिल रही है।

कार्यक्रम के पहले दिन मुक्ताकाशी मंच पर छत्तीसगढ़ी लोकधुनों और पारंपरिक लोकगाथाओं ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक लोकसंस्कृति की जीवंत दुनिया से जुड़ते नजर आए। आयोजन की शुरुआत भरथरी गाथा की प्रस्तुति से हुई। इसके बाद कलाकारों ने पंडवानी, देवार गीत और भरथरी गाथा सहित विभिन्न लोकविधाओं की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं।

लोकरंग पर्व में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोकविधाओं से जुड़े कलाकारों को अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर दिया जा रहा है। आयोजन में भरथरी गाथा, देवार गीत, करमा नृत्य, सरहुल, लोरिक-चंदा, ददरिया, पंडवानी और पंथी जैसी विविध लोककलाओं की प्रस्तुतियां शामिल हैं।

पहले दिन सुश्री दुर्गा साहू ने पंडवानी, श्रीमती पूनम तिवारी ने देवार गीत तथा सुश्री अरुणिमा शर्मा ने भरथरी गाथा की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। कलाकारों की प्रस्तुतियों में छत्तीसगढ़ की लोकजीवन की संवेदना, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाई दी।

कार्यक्रम के संचालक एवं संस्कृति एवं पुरातत्व संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि स्थानीय मंचों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोकविधाओं से जुड़े कलाकारों को प्रोत्साहन मिलता है और उन्हें अपनी कला के प्रदर्शन का अवसर मिलता है। ऐसे आयोजन प्रदेश की 'सुघर' संस्कृति, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने के साथ युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोककलाएं केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनमें प्रदेश के इतिहास, सामाजिक जीवन, लोकविश्वास और सामुदायिक परंपराओं की गहरी छाप दिखाई देती है। आयोजन से इन परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

# द्रोणाचार्य संगम-2026 : समय का सदुपयोग और परिश्रम ही सफलता की कुंजी - राज्यपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका शिक्षक दिवस के अवसर पर एसईसीएल-डीएवी पब्लिक स्कूल, वसंत विहार, बिलासपुर में आयोजित 'द्रोणाचार्य संगम-2026' में शामिल हुए। इस अवसर पर शिक्षकों के उत्कृष्ट योगदान का सम्मान किया गया तथा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि समय का सही उपयोग जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज का दौर इंटरनेट और तकनीक का दौर है तथा बच्चे तेजी से एक ऐसी दुनिया में बड़े हो रहे हैं, जहां ज्ञान और सूचनाएं आसानी से उपलब्ध हैं। ऐसे में बच्चों और युवाओं को समय का सदुपयोग करते हुए सही दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद देश के शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि पुराने समय में गुरुकुल परंपरा के माध्यम से गुरु विद्यार्थियों को शिक्षा और संस्कार प्रदान करते थे। समय के साथ शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हुए हैं और आज आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कार एवं मूल्यों का समावेश भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि परिश्रम करने वालों को निश्चित रूप से सफलता मिलती है। जीवन में निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए और चुनौतियों से घबराना नहीं चाहिए।

राज्यपाल ने वरिष्ठ नागरिकों से भी जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ जीने की अपील की। उन्होंने कहा कि जीवन में जो कुछ मिला है, उसके प्रति संतोष और कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए तथा वर्तमान में रहकर जीवन का आनंद लेना चाहिए। उन्होंने देशभक्ति और संस्कारों के महत्व पर जोर दिया। बच्चों में देशभक्ति की भावना विकसित होने से देश को जागरूक और राष्ट्रभक्त नागरिक मिलेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के निर्माण में परिवार और शिक्षकों दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को पढ़ाने का कार्य नहीं करते, बल्कि समाज को शिक्षित और जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

कार्यक्रम में संभागायुक्त सुनील जैन, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसईसीएल के डायरेक्टर बिरंची दास, हिमांशु जैन, एसईसीएल के अन्य अधिकारी-कर्मचारी, डीएवी प्रबंधन, विभिन्न प्रोजेक्ट स्कूलों के प्रतिनिधि, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

### 'शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित'

इस अवसर पर आयोजित 'द्रोणाचार्य संगम-2026' में शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित शिक्षकों के समर्पण और उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में एसईसीएल और डीएवी के बीच शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित सहयोग और साझेदारी को भी महत्वपूर्ण बताया गया। 'द्रोणाचार्य संगम-2026' शिक्षकों के सम्मान, उनके अनुभवों के आदान-प्रदान और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950